04 - अखर रही है आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर चुप्पी

05 - मानव, गिरि-कानन, सिंधु कर रहे धरा की सवारी

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 8 जनवरी, 2025

06 - मौसम में हो रहे बदलाव का लोगों की सेहत पर पड़ रहा असर, 500 के पार...

07 - भोपाल में हर आयोजन के लिए पुलिस की परमिशन...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-129 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महिला कमांडिंग अफसरों की आकलन रिपोर्ट को महिला विरोधी न मानें

ले.जन. एच.एस. पनाग (रिटा.)

आठ महिला कमांडिंग अफसरों के कामकाज को लेकर लिखा गया एक अर्द्ध-सरकारी पत्र नवंबर के अंत में 'लीक' हुआ और सोशल मीडिया से लेकर मुख्यधारा की मीडिया में हंगामा मच गया। पूर्वी कमांड के जनरल अफसर कमांडिंग-इन-चीफ ले.जनरल राम चंदर तिवारी को लिखे 17वीं कोर के जनरल अफसर कमांडिंग ले.जनरल राजीव पुरी के इस पत्र में इन महिला कमांडिंग अफसरों की 'मैन मैनेजमेंट' क्षमता, नेतृत्व शैली, नैतिक साहस, सेवा संबंधी विशेषाधिकारों की उनकी समझ में गंभीर कमियों का जिक्र किया गया था। इस पत्र को लेकर भावनाएं उग्र हो गईं, मीडिया में तरह-तरह के विचार, आलोचनाएं और सलाह आने लगीं। जनरल पर पितृसत्तात्मक भेदभाव करने के आरोप लगाए गए और कहा गया कि महिला सशक्तिकरण को चोट पहुंचाने के लिए इस पत्र को जानबूझकर लीक किया गया। इस सबके कारण नुकसान निष्पक्षता को पहुंचा।

संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के अनुसार महिलाओं को सेना में समान अवसर देने की व्यवस्था की गई है। लेकिन समान अवसर का अर्थ है योग्यता के मामले में स्त्री-पुरुष का भेद नहीं किया जाएगा और मानदंडों का पालन किया जाएगा। पत्र में जिन कमियों की बात की गई है वे मुख्यतः अल्पकालिक अनुबंध से स्थायी कमीशन में परिवर्तन किए जाने के कारण हैं। यह परिवर्तन न्यायपालिका और उसके कारण सरकारी नीति के चलते सेना पर थोपा गया है।

मेरे विचार से, जनरल पुरी पर महिला कमांडिंग अफसरों के साथ कथित पितृसत्तात्मक भेदभाव करने का अनुचित आरोप लगाया गया है। उन्हें साधारणीकरण का दोषी तो ठहराया जा सकता है लेकिन उनका ज़ोर कमांडिंग अफसरों से पेशेवराना मानदंडों के पालन को लेकर जो अपेक्षा रखी जाती है उसमें कमियों पर उन्हें दूर करने की उनकी कोशिशों की पहचान करने पर रहा है। वैसे, इस पत्र के लीक होने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

महिला अफसरों को 'कंबैट सपोर्ट आर्म्स और सर्विसेज' के तहत यूनिटों की कमान पहली बार फरवरी 2023 में सौंपी गई। जब संगठन में कोई बुनियादी किस्म का बदलाव किया जाता है सेना मुख्यालय में नीतिगत सुधार के लिए कमान की पूरी कड़ी में निरंतर फीडबैक दिया जाता है। यह मान लेना तार्किक ही होगा कि सेना मुख्यालय को महिला कमांडिंग अफसरों के कामकाज पर फीडबैक सभी आर्मी फॉर्मेशन्स और वरिष्ठ कमांडरों के विचारों पर आधारित होगा। इसका मकसद परिवर्तन को सहज, और ज्यादा कार्यकुशल बनाना है।

महिला कमांडिंग अफसरों के कामकाज का आकलन ब्रिगेड, डिवीजन, और कोर कमांडरों की तीन स्तरीय एप्रेजल सिस्टम के जरिए भी किया गया होगा। एक विकल्प आर्मी कमांडर के स्तर पर भी आकलन का है। यह वार्षिक प्रक्रिया है। अफसरों का आकलन उनकी व्यक्तिगत विशेषताओं, उनके कामकाज के प्रदर्शन के मानकों के आधार पर किया जाता है। इसके अलावा, ऊंचे कमांड और स्टाफ नियुक्ति को लेकर उनकी क्षमता का नौ मानकों के पैमाने पर आकलन भी किया जाता है। कमांड और एप्रेजल सिस्टम, दोनों में सुधार के लिए काउंसलिंग या गलती को ठीक करने की व्यवस्था निहित होती है। सामान्यतः यह काम तात्कालिक बड़े अधिकारी और जरूरत पड़ने पर और वरिष्ठ कमांडर करते हैं। काउंसलिंग मौखिक रूप से या लिखित रूप से की जा सकती है और उसका रेकॉर्ड रखा जाता है।

मैंने उस पत्र की एक कॉपी देखी है। यहां हम उसका ब्योरा दे रहे हैं। जनरल पुरी के अनुसार, महिला कमांडिंग अफसर प्रायः नेतृत्व की तानाशाही शैली अपना लेती हैं, वे मातहत कमांडरों से सलाह-मशविरा महज नाम के बराबर या बिलकुल नहीं करतीं। वे बातचीत या असहमति को हतोत्साहित करती हैं और मातहत कमांडरों के दायरे में अक्सर दखलंदाजी की जाती है जिसके कारण फैसले करने में उनकी भूमिका सीमित हो जाती है। जनरल पुरी कहते हैं कि इसके कारण पहल करने का उत्साह मर जाता है और मिलकर मिशन को पूरा करने में उनकी हिस्सेदारी घटती है। सेना में कमांड का सिद्धांत नेतृत्व की निर्देशात्मक शैली की वकालत करता है जिसमें लोकतांत्रिक तथा तानाशाही शैलियों का उचित मेल हो। तानाशाही शैली के मतांध पालन को निश्चित ही नकारात्मक लक्षण माना जाता है।

पत्र में मानव संसाधन के प्रबंधन में अहम खामियों का भी उल्लेख है जिनमें पारस्परिक सम्मान, विश्वास, चतुरता, सहानुभूति, और सैनिकों की भलाई पर ध्यान देना शामिल है। जनरल पुरी के मुताबिक, भावुक अनुरोधों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाता, और असहमति को अवज्ञा के रूप में देखा जाता है। वे लिखते हैं कि आपसी सम्मान और विश्वास के जरिए 'संघर्ष समाधान' करने की जगह ज्यादा ज़ोर कमांड के अधिकार के बल पर संघर्ष को समाप्त करने पर दिया जाता है। पत्र में यह भी कहा गया है कि महिला कमांडिंग अफसर अपने कमांड की पूरी ज़िम्मेदारी और जवाबदेही स्वीकार नहीं करतीं। अपने मातहतों के बारे में पहले अपने अधिकारों और शक्तियों का उपयोग करने की जगह उनमें वरिष्ठ कमांडरों से उनकी 'शिकायत करने की प्रवृत्ति ज्यादा हावी रहती है।'व्यवस्था से संबंधित मसलों की कई खामियों को भी पत्र में गिनाया गया है।

महिला अफसरों में पुरुषों के प्रति पूर्वाग्रह का भी पत्र में उल्लेख है। जनरल पुरी इसे अंतर्व्यक्तिक संघर्षों की जड़ बताते हैं। उनका दावा है कि महिला अफसर खुद को 'नरम' की जगह सख्त साबित की जो कोशिश करती हैं उसके कारण मानव संसाधन के मसलों को वे अपने पुरुष सहकर्मियों के मुक़ाबले कम सदभावना तथा सहानुभूति के साथ निबटाती हैं।

जनरल पुरी नियुक्तियों, उच्च पदों के लिए चयन, और मिशन की ज़िम्मेदारी सौंपने के मामलों में स्त्री-पुरुष भेद के मामले में तटस्थता की एक विस्तृत नीति सुझाते हैं. वे सावधान करते हैं कि उच्च अधिकार वाले पदों पर दिखावे के लिए प्रतीकात्मक रूप से महिला अफसरों की नियुक्ति से बिलकुल परहेज किया जाए। इसकी जगह, मानव संसाधन प्रबंधन की ट्रेनिंग पर ज्यादा ज़ोर देने की जरूरत है। वे यह भी सलाह देते हैं कि पति-पत्नी की पोस्टिंग में तालमेल की नीति में उसी मानदंड का पालन किया जाए जिसका पालन सभी सैनिकों की सहानुभूति पोस्टिंग में किया जाता है।

जनरल पुरी को अपने कमांड वाले करीब 40 पुरुष कमांडिंग अफसरों के आकलन में सामने आई खामियों को भी रेखांकित करना चाहिए था। अनुभवजन्य विवेक यही संकेत करता है कि यह मामला सापेक्ष किस्म का है और यह केवल महिला कमांडिंग अफसरों तक सीमित नहीं है। सेना में महिलाओं के कामकाज के नैतिक आकलन को कभी कोई मुद्दा नहीं बनाया गया। स्त्री-पुरुष समानता की स्थापना के बाद, सैन्य सेवा के सभी पहलुओं में लैंगिक तटस्थता की ओर बढ़ने का समय आ गया है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ईसी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव का कर दिया ऐलान

5 फरवरी को मतदान, नतीजे 8 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव सिंगल फेज में 5 फरवरी को होगा। रिजल्ट 8 फरवरी को आएगा। यह जानकारी चुनाव आयोग ने मंगलवार को दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि देश की राजधानी में डेढ करोड़ वोटरों

- सिंगल फेज में होगी वोटिंग
- डेढ़ करोड़ वोटरों के लिए बनाए गए हैं 33 हजार बूथ
- 23 फरवरी को खत्म होगा विधानसभा का कार्यकाल

के लिए 33 हजार बूथ बनाए गए हैं। 83.49 लाख पुरुष, 79 लाख महिला वोटर्स हैं। 2.08 लाख नए वोटर्स है। 830 वोटर 100 साल की उम्र से ज्यादा हैं। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोपों पर 30 मिनट तक फैक्ट्स के साथ सफाई दी।

उन्होंने कहा कि चुनाव में वोटर्स बढ़ाने,खास वर्ग को टारगेट करने के आरोप गलत हैं। चुनावी प्रक्रिया को खत्म करने में वक्त लगता है। यह सब एक तय प्रोटोकॉल के तहत होता है।दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी

को खत्म हो रहा है। इसके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। इसके चलते 18 फरवरी से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कराए जाने की संभावना है। 2020 के विधानसभा चुनावों की घोषणा 6 जनवरी को हुई थी।

चीन में भूकंप से 95 की मौत, 130 लोग घायल

रिक्टर स्केल पर 7.1 तीव्रता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के तिब्बत प्रांत में मंगलवार सुबह आए भूकंप से 95 लोगों की मौत हो गई, जबकि 130 घायल हो गए। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक सुबह 9.05 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 6.30 बजे) आए इस भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिजांग में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.1 थी। भूकंप

का असर नेपाल, भूटान सहित भारत के सिक्किम और उत्तराखंड में भी दिखा। फिलहाल भारत में इससे जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। एजेंसी ने बताया कि पहले भूकंप के तुरंत बाद इस क्षेत्र में दो और भूकंप आए थे। लोकल अधिकारी लगातार हालात का जायजा ले रहे हैं, इस वजह से हताहतों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

आतंकवाद लोकतंत्र के लिए नासूर, इसकी फंडिंग और भी खतरनाक

शाह ने दिल्ली में इंटरपोल से राज्य पुलिस को जोड़ने का पोर्टल लॉन्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार सुबह दिल्ली में भारतपोल पोर्टल लॉन्च किया।

इस दौरान शाह ने कहा- आतंकवाद, लोकतंत्र, मानवाधिकार, आर्थिक प्रगति और विश्व शांति के खिलाफ सबसे बड़ा नासूर है, जिसे हमें जीतने नहीं देना है।

उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। आतंकवाद की फंडिंग कहीं अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह फंड आतंकवाद को पोषित करके दुनिया के अर्थतंत्र को कमजोर करता है। शाह ने कहा कि भारतपोल हमारे देश की अंतर्राष्ट्रीय जांच को एक नए युग में ले जाएगा।

पहले सीबीआई एकमात्र एजेंसी थी जो इंटरपोल के साथ काम करने के लिए पहचानी गई थी, लेकिन अब भारतपोल के जरिए हर भारतीय एजेंसी और सभी राज्यों की पुलिस आसानी से इंटरपोल से जुड़ पाएगी।

सुप्रभात

मलाल है मगर इतना मलाल थोड़ी है
ये आंख रोने की शिद्दत से लाल थोड़ी है
बस अपने वास्ते ही फ़िक्रमंद हैं सब लोग
यहां किसी को किसी का ख़याल थोड़ी है
परों को काट दिया है उड़ान से पहले
ये ख़ौफ़ ए हिज्र है शौक़ ए विसाल थोड़ी है...
मज़ा तो तब है कि हम हार के भी हंसते रहें
हमेशा जीत ही जाना कमाल थोड़ी है...
लगानी पड़ती है डुबकी उभरने से पहले
गुरूब होने का मतलब ज़वाल थोड़ी है...!!!

- परवीन शाकिर

आसाराम को 11 साल में पहली बार मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट से 31 मार्च तक मिली बेल

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर सेंट्रल जेल में रेप के आरोप में आजीवन सजा काट रहे आसाराम (83) को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। आसाराम को सूरत के अपने आश्रम में महिला अनुयायी से रेप के मामले में 31 मार्च तक बेल मिली है। हालांकि, उसके जेल से बाहर निकलने की संभावना नहीं है, क्योंकि आसाराम नाबालिग से रेप का भी दोषी है। फिलहाल वह जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। आसाराम को बीते 5 महीने में तीन बार पैरोल भी मिल चुकी है।

स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति मिशन प्रारंभ करने की मंत्रि-परिषद ने दी सैद्धांतिक स्वीकृति

दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने के लिए सहकार्यता अनुबंध पर दी सहमति

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के युवाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के उद्देश्य से युवा-उन्मुखीकरण की गतिविधियों को समन्वित रूप से एक ही मंच पर लाने के लिए स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति मिशन प्रारंभ करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2024 के अवसर पर प्रदेश में चार मिशन अन्नदाता (किसान) कल्याण, युवा शक्ति, नारी शक्ति और गरीब कल्याण को लागू करने की घोषणा की थी। इसी को ध्यान में रखते हुए स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति मिशन, युवाओं के उन्मुखीकरण की गतिविधियों को समन्वित करने के लिए एक साझेदारी मंच का निर्माण करेगा, जिससे राज्य के विकास को बढ़ावा मिलेगा। स्वामी विवेकानन्द की जयंती 12 जनवरी 2025 (युवा दिवस) के अवसर पर मिशन प्रारंभ किया जायेगा। मिशन के प्रमुख उद्देश्य युवाओं में आत्म-विश्वास निर्माण, प्रतिस्पर्धा के लिए तैयारी के साथ उनके कौशल उन्नयन और प्रतिभा

को निखारने की गतिविधियों को बढ़ावा देना है। मिशन के प्रमुख घटक संवाद, सामर्थ्य (योग्यता) और समृद्धि, है।

मिशन के तीन प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए गये है। पहला लक्ष्य-प्रत्येक युवाओं की आय का स्तर न्यूनतम कुशल श्रेणी श्रमिक की दर के बराबर लक्षित करना। दूसरा लक्ष्य-प्रत्येक युवा को कक्षा 12वीं तक के स्तर तक शिक्षा पूरी कराने के लिये प्रयास करना। यह लक्ष्य 10वीं में वर्ष 2028 तक तथा 12वीं में वर्ष 2030 तक हासिल किया जायेगा। तीसरा लक्ष्य-प्रत्येक युवा को समाज के हित में सामाजिक पहल का हिस्सा बनाना है। वर्ष 2030 तक 70 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की जायेगी।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा- मंत्रि-परिषद द्वारा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड को बड़ा बनाने के उद्देश्य से एम.पी. स्टेट को-ओपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य होने वाले सहकार्यता अनुबंध (कोलेबोरेशन एग्रीमेंट) पर सहमति दी गयी। यह निर्णय मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है।

एम.पी. स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य कोलेबोरेशन एग्रीमेंट के अनुसार दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे। दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी। इस तरह अगले 5 सालों में लगभग 1500 करोड़ रूपये का निवेश किया जायेगा। दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार की जायेगी। इस तरह दूध संकलन 10.50 लाख किलोग्राम से बढ़ाकर 20 लाख किलोग्राम किया जायेगा। दुग्ध उत्पादकों की कुल वार्षिक आय 1700 करोड़ रूपये से दोगुना कर 3500 करोड़ रूपये किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। सांची ब्रांड का और व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जायेगा।

मणिपुर के सैबोल गांव में तैनात रहेंगे सुरक्षा बल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इंफाल के पूर्वी जिले की सीमा पर बसे सैबोल गांव से सुरक्षाबल सीआरपीएफ और बीएसएफ को नहीं हटाए जाने को लेकर भड़की हिंसा मामले में सिक्योरिटी एजेंसियों का कहना है कि फिलहाल इन दोनों सुरक्षाबल को वहां से हटाने का अभी कोई इरादा नहीं है। दोनों सुरक्षाबल अपना काम बड़ी मुस्तैदी और ईमानदारी से कर रहे हैं। विरोध-प्रदर्शन की वजह से इन्हें नहीं हटाया जा सकता। मणिपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि तीन जनवरी को हिंसाग्रस्त कांगपोकपी जिले में स्थिति अभी कंट्रोल में है। यहां शुक्रवार शाम उग्र प्रदर्शनकारियों ने एसपी ऑफिस पर हमला कर दिया था, जिसमें एसपी मनोज प्रभाकर समेत कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे। यह हिंसा कुकी समुदाय के लोगों द्वारा सैबोल गांव से सुरक्षाबलों में खासतौर से बीएसएफ और सीआरपीएफ को हटाए जाने की मांग को लेकर थी।

बीपीएससी कैंडीडेट्स प्रदर्शन

पीके की तबियत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

सुबह ही मेदांता में भर्ती हुए, डॉक्टर बोले-डिहाइड्रेशन, इंफेक्शन है

पटना (एजेंसी)। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का छठे दिन भी अनशन जारी है। सोमवार देर रात से उनकी तबीयत बिगड़ी। मंगलवार सुबह मेदांता अस्पताल के डॉक्टर अजीत प्रधान अपनी टीम और एंबुलेंस के साथ पीके के घर यानी शेखपुरा हाउस पहुंचे। शुरुआती जांच के बाद उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया। दोपहर में पीके को आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। डॉक्टर प्रधान ने बताया कि उन्हें डिहाइड्रेशन, इंफेक्शन की शिकायत हो रही है। बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर प्रशांत किशोर 2 जनवरी शाम 5 बजे से लगातार आमरण अनशन पर हैं। मेदांता अस्पताल के डायरेक्टर डॉक्टर रविशंकर ने बताया,आज पूरे दिन उनकी जांच की जाएगी।

भूलेंगे नहीं, छोड़ेंगे नहीं, शहीद जवानों का बदला लेकर रहेंगे

छत्तीसगढ़ में डीआरजी जवानों की ललकार सुन सहम जाएंगे नक्सली

बीजापुर (एजेंसी)। आठ डीआरजी जवानों की शहादत के बाद पूरे देश में गुस्सा है। वहीं, शहीद जवानों के साथी नक्सलियों से बदला लेने के बेताब दिख रहे हैं। शहीद साथियों की अंतिम विदाई के मौके पर गमगीन डीआरजी जवानों ने नक्सलियों को ललकारा है। डीआरजी के जवानों का एक वीडियो वायरल हो रहा है। उसमें जवानों को यह कहते हुए सुन सकते हैं कि हम भूलेंगे नहीं, शहीद जवानों का बदला लेकर रहेंगे। दरअसल, बीजापुर के अंबेली में आठ डीआरजी के जवान आईईडी

ब्लास्ट में शहीद हुए हैं। डीआरजी के जवान छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के काल हैं। डीआरजी जवानों से नक्सली थर्राते हैं। आईईडी ब्लास्ट में जवानों की शहादत के बाद डीआरजी जवानों के मन में गुस्सा है। साथ ही सरकार ने भी संकेत दिए हैं कि अब ऑपरेशन और तेज होगा। सोशल मीडिया पर डीआरजी जवानों का एक वीडियो वायरल है। इसमें घटना के बाद दर्जनों जवानों अपने साथियों को अंतिम विदाई देने के लिए जमा हुए हैं। इस दौरान एक साथ दर्जनों जवानों नक्सलियों को ललकारते दिखे हैं। जवान कह रहे हैं कि हम भूलेंगे नहीं, हम छोड़ेंगे नहीं, शहीद जवानों का बदला लेकर रहेंगे। सभी जवान एक सुर में यही बोल रहे हैं। इससे समझा जा सकता है कि उनके मन में बदले की आग धधक रही है। गौरतलब है कि बीते एक साल में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ में 300 से अधिक नक्सलियों को ढेर किया है। नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में केंद्रीय बलों के साथ डीआरजी के जवान रहे हैं। डीआरजी के जवान स्थानीय होते हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c

न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 08 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बुरहानपुर में स्कूली वाहन पलटा, बच्चों समेत 13 घायल

हैदरपुर रोड पर स्टीयरिंग फेल होने से हादसा छात्रों को कांच फोड़कर बाहर निकाला

बुरहानपुर (नप्र)। बुरहानपुर के नेपानगर क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक स्कूली वाहन बेकाबू होकर पलट गया। करीब 9.30 बजे ग्राम हैदरपुर के पास हुए इस हादसे में 12 बच्चे और चालक घायल हो गया। चालक सहित 3 बच्चों को अधिक चोट आने उन्हें सीवल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब उनकी हालत में सुधार है।

जानकारी के अनुसार, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल का करुजर वाहन स्कूली बच्चों को लेकर हैदरपुर गांव से डाभियाखेड़ा जा रहा था। इस दौरान हैदरपुर के पास अचानक स्टीयरिंग फेल होने से वाहन सड़क किनारे एक खेत की मेढ़ में जाकर पलट गया। हादसे में ड्राइवर सहित 13 लोग घायल हो गए। हादसे में वाहन चालक गणेश नटवर चौहान को ज्यादा चोट आई। जबकि 6 साल के छात्र मोहित दिनेश जाधव का हाथ फ्रैक्चर हो गया। वहीं कृष्णा मुकेश जाधव, आशीष महाजन को भी चोट आई है। सभी का सीवल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सावधान! बारिश ने और बिगाड़े मौसम के हाल

यूपी-दिल्ली समेत कई इलाकों में प्रचंड ठंड, 25 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश से ठंड का प्रकोप और ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही, सर्द हवाओं ने लोगों की कंपकंपी छुड़ा दी है। मौसम विभाग ने मंगलवार को दिल्ली का आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा

से 6 किलोमीटर प्रति घंटे से कम गति से हवाएं चलीं। विभाग ने बताया कि अधिकतर स्थानों पर धुंध और मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। सुबह के समय कुछ जगहों पर घना कोहरा देखा गया। वहीं, हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों और ऊंची पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर बारिश और बर्फबारी हुई, जिससे पारा 4 से 7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। इसी तरह पंजाब और हरियाणा में भी ठिठुरन है और दोनों राज्यों में कुछ स्थानों पर सुबह के समय कोहरा छाया हुआ है। कश्मीर में हुई ताजा बर्फबारी के बाद रात के तापमान में कुछ बढ़ोतरी हुई, लेकिन पारा अब भी हिमांक बिंदु से नीचे है।

सलमान खान की बालकनी भी अब हो गई बुलेटप्रूफ

और सख्त हुई सुरक्षा, फैन्स होंगे निराश, एक झलक भी होगी मुश्किल

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान की सुरक्षा में और इजाफा किया गया है। उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट स्थित फ्लैट की बालकनी को भी कवर कर दिया गया है। उनके फ्लैट की जो तस्वीरें आई हैं, उसमें दिखता है कि घर की बालकनी को बुलेटप्रूफ ग्लास से कवर किया गया है। इसका मतलब है कि यदि गोली भी कोई उनके फ्लैट को टारगेट करके चलाएगा तो उससे उनके घर की दीवारों तक को नुकसान नहीं पहुंचेगा। खूंखार गैंगस्टर लॉरेंस

बिश्नोई की ओर से सलमान खान और उनके परिवार के लोगों को कई बार धमकियां मिली थीं। उसके बाद यह अहम फैसला लिया गया है। हालांकि सलमान खान के घर की इस तरह सुरक्षा बढ़ाए जाने से फैंस को निराशा हुई है, जिन्हें बालकनी से ही एक झलक सलमान खान देते थे। बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि सलमान खान के फ्लैट की बालकनी को बुलेटप्रूफ ग्लास से कवर किया गया है। यहीं से सलमान खान अपने फैन्स का अभिवादन स्वीकार करते थे। अब यह बालकनी पूरी तरह से कवर हो गई है और प्रशंसक सलमान खान को देख नहीं पाएंगे। अन्य त्योहारों के मौके पर सलमान खड़े हो जाते थे।

धीरे-धीरे देश भर में पैर पसार रहा एचएमपीवी

● अब तक 8 केस की पुष्टि, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2 केस ● बंगाल-गुजरात में एक-एक मामला, केंद्र ने कहा-राज्य और निगरानी बढ़ाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु (एजेंसी)। कोरोना जैसे वायरस एचएमपीवी के देश में 8 केस हो गए हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 2 केस सामने आए। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल का लड़का संक्रमित मिला है। दोनों ही बच्चों को लगातार सर्दी-बुखार था। इसके बाद प्राइवेट लैब की जांच में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नही करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है। इससे एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। इनमें ज्यादातर बच्चे हैं। केंद्र ने राज्यों को इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस और सीवर एक्यूट रेस्परेट्री इश्यूज जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी के बारे में जागरुकता फैलाने की सलाह दी है। देश के 4 राज्यों में संक्रमण के मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि यह नया वायरस नहीं है

और सरकार हालात पर नजर रखे हुए है। विशेषज्ञों ने यह कह दिया है कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। 2001 में इसकी पहली बार पहचान हुई थी। इसके बाद ये दुनिया में फैला। ये सांस लेने से फैलता है, हवा के माध्यम से फैलता है। ये सभी एज ग्रुप के लोगों पर असर करता है। एचएमपीवी हालात पर नजर बनाए हुए है और हमसे जल्द ही रिपोर्ट शेयर की जाएगी। वायरस के लक्षण कोविड जैसे, छोटे बच्चों पर ज्यादा असर एचएमपीवी वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। केंद्र सरकार ने कहा था- इस मौसम में सामान्य वायरस चीन में एचएमपीवी के बढ़ते मामलों के बीच इमरजेंसी जैसे हालात बनने की बात कही गई थी। हालांकि भारत सरकार ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक की थी। इसके बाद सरकार ने कहा था कि फ्लू के मौसम को देखते हुए चीन की स्थिति असामान्य नहीं है। खांसी और बुखार से पीड़ित लोग जांच करवा सकते हैं, लेकिन इसके लिए कोई विशेष उपचार नहीं है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, दो बच्चों में वायरस की पुष्टि हुई है। ये देखकर मैंने तुरंत कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव से बात की। सरकार इस वायरस को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, यह कोई वायरस नहीं है। यह एक फ्लू वायरस है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हम अपने पैनल के साथ बैठक कर रहे हैं। इस पर भारत सरकार और आईएसएमआर से चर्चा करेंगे।

26 साल बाद भारत से परमाणु पाबंदी हटाएगा अमरीका!

पोखरण विस्फोट के बाद लगाया था प्रतिबंध, अब हटाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के साथ भारत के बढ़ते रिश्तों के बीच एक अच्छी खबर आई है। भारत दौरे पर आए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का कहना है कि पोखरण परीक्षण के बाद जो पाबंदियां लगी थीं, उन्हें हटाया जाएगा। अमेरिका की ओर से यह ऐलान भारत के लिए गुड न्यूज है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच परमाणु करार भी भविष्य में हो सकेंगे। मई 1998 में भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण किया था, जिससे भड़के अमेरिका ने भारत की कई असैन्य परमाणु कंपनियों पर पाबंदियां लगा दी थीं, जिन्हें अब हटाया जाएगा। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि बीते महीने

ही अमेरिका ने पाकिस्तान की कई परमाणु कंपनियों पर बैन लगाया था और यह कहा था कि वह एक ऐसी मिसाइल तैयार करने में जुटा है, जो सीधे अमेरिका तक को टारगेट कर सकती है। इस पर पाकिस्तान का कहना था कि अमेरिकी दावा झूठा है और उसके खिलाफ गलत कार्रवाई की गई है। यही नहीं भारत की ओर से इशारा करते हुए पाकिस्तान ने कहा था कि यदि कोई ऐसे पड़ोसी मुल्क का सामना कर रहा है, जो तमाम हथियारों से लैस है तो फिर पाकिस्तान के साथ यह ज्यादती है।

जेक सुलिवन बोले-

हटेंगे सारी बाधाएं, अब चलेंगे साथ- जेक सुलिवन ने कहा, आज मैं इस बात की घोषणा कर सकता हूं कि अमेरिका जरूरी कदम उठा रहा है ताकि भारत की परमाणु कंपनियों से पाबंदी हट जाए। इसके चलते करीब ढाई दशक से भारत और अमेरिकी परमाणु कंपनियों के बीच करार नहीं हो पा रहे थे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में औपचारिक कार्यवाही जल्दी ही शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे बीते दौर की गलतियों को खत्म करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा अब हम भविष्य में परमाणु समझौतों की ओर बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे निजी सेक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र के लोग आपसी सहयोग के माध्यम से आगे बढ़ सकेंगे। अमेरिका के इस कदम से जिन कंपनियों से पाबंदी हटेगी, उनमें कई सरकारी संस्थाएं भी शामिल हैं। अमेरिका ने 1998 में जिन कंपनियों पर पाबंदी लगाई थी, उनमें भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर का डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी, इंदिगा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च, इंडियन रेयर अर्थ्स, न्यूक्लियर रिएक्टर्स आदि शामिल हैं।

बीजेपी जिलाध्यक्षों की लिस्ट पर फंसा पेंच

हितानंद, वीडी शर्मा जाएंगे दिल्ली, केन्द्रीय टीम के साथ होगा मंथन

भोपाल (नप्र)। बीजेपी जिलाध्यक्षों की लिस्ट को लेकर एमपी में पेंच फंस गया है। सागर, ग्वालियर, इंदौर, रीवा सहित कई जिलों में दिग्गजों के बीच जिलाध्यक्षों के नामों पर सहमति न बन पाने के कारण अब दिल्ली में नए सिरे से मंथन होगा। शाम को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा दिल्ली जाएंगे। दिल्ली में प्रदेश संगठन चुनाव की पर्यवेक्षक सरोज पांडेय, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश के साथ चर्चा कर जिलाध्यक्षों की लिस्ट फाइनल करेंगे।

सागर, धार में दो जिले बनाने नेताओं को राजी करने की कोशिशें- मप्र के दो बड़े जिलों सागर और धार में बीजेपी दो-दो जिलाध्यक्ष बनाने की तैयारी में हैं। सागर में जिलाध्यक्ष को लेकर दिग्गजों के बीच खींचतान मची हुई है। भूपेन्द्र सिंह, गोविंद सिंह राजपूत, गोपाल भार्गव, शैलेन्द्र जैन अपने-अपने करीबियों को जिलाध्यक्ष बनवाने के लिए प्रयासरत हैं।

सागर में लंबे समय से चल रही खींचतान को स्थानीय स्तर पर काम करने के लिए बीजेपी सागर में संगठनात्मक दो जिले बनाने जा रही है। सागर में रहली, देवरी और बंडा विधानसभा को मिलाकर एक जिला बनाया जाएगा। सागर जिले में सुरखी, सागर, खुरई, बीना, नरयावली को मिलाकर एक जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा। इसी तर्ज पर धार में भी दो जिले बनाने की तैयारी चल रही है। ग्वालियर, इंदौर, रीवा, निवाड़ी, सिंगरौली में भी स्थानीय नेताओं के बीच जिलाध्यक्षों को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है।

नरोत्तम और राकेश सिंह भी दिल्ली रवाना- इधर, प्रदेश अध्यक्ष की रेस में शामिल पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह भी दिल्ली रवाना हुए हैं। वे दिल्ली में दिग्गजों से मुलाकात करेंगे। बीजेपी जिलाध्यक्षों की पहली सूची जारी होने के बाद से ही प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।वीडी शर्मा को बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बने करीब 4 साल 10 महीने हो चुके हैं।

अन्य अल्पसंख्यकों पर भी कृपादृष्टि बरसाएं मीलॉर्ड!

मुस्लिमों समेत अन्य जातियों को भी बनाएं जज, सीजेआई को चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु और पुदुचेरी की बार काउंसिल ने देश के मुख्य न्यायाधीश और जजों का चयन करने वाले कॉलेजियम में शामिल न्यायाधीशों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे मद्रास हाई कोर्ट में जजों के रूप में पदोन्नति और नियुक्ति के मामले में मुस्लिमों, ईसाइयों समेत अन्य अल्पसंख्यकों और समाज के विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों पर भी कृपा पूर्वक विचार करें।

वकीलों के संघ ने अपनी चिट्ठी में कहा है कि जजों का चयन कानूनी कौशल, ईमानदारी और बुद्धिमत्ता के आधार पर होना चाहिए ताकि हाई कोर्ट में सामाजिक-आर्थिक न्याय और सामाजिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए उचित नुमाइंदगी सुनिश्चित हो सके। वकीलों ने चिट्ठी में लिखा है कि लोकतंत्र की यह खूबी रही है कि हर तरह की नियुक्ति या पदोन्नति में समाज के विभिन्न वर्गों की व्याप्त विविधता को ध्यान में रखते हुए सभी को समान अवसर दिया जाना चाहिए और इसमें जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र या किसी भी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

बार एंड बेंच के मुताबिक, बार काउंसिल ने सीजेआई और कॉलेजियम से अनुरोध किया है कि हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति या पदोन्नति के समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि बार में मौजूद सभी वकीलों में किन-किन के पास ऐसी योग्यता और

अनुभव है जो समाज की विविधता को न्यायपालिका में सुनिश्चित करते हुए न्याय सुलभ करा सकें। चिट्ठी में कहा गया है कि हाई कोर्ट की खंडपीठों में सामाजिक विविधता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाना जरूरी है। बता दें कि हाल के दिनों में एक बार फिर कॉलेजियम की सिफारिशों को लेकर विवाद गहराया है। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम हाई कोर्ट में न्यायाधीशों के करीबी रिश्तेदारों की नियुक्ति के खिलाफ एक प्रस्ताव पर विचार कर सकता है। बताया जा रहा है कि यह प्रस्ताव एक सीनियर जज ने पेश किया है और अगर इस पर अमल किया जाता है, तो न्यायिक नियुक्तियों में अधिक समावेशिता आ सकती है और इनमें योग्यता के मुकाबले परिवार को तरजीह दिए जाने की धारणा को बदला जा सकता है।

ब्रह्मपुत्र पर बांध से भारत को नहीं होगा नुकसान

चीनी मीडिया बोला-साइंटिफिक तरीके से इसे तैयार करेंगे

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने तिब्बत में यारलुंग सांगपो (ब्रह्मपुत्र) नदी पर डैम बनाने को लेकर भारत की आपत्ति का जवाब दिया है। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ याकुन ने कहा कि यारलुंग सांगपो नदी पर बांध बनाने से भारत या फिर बांग्लादेश का जल प्रवाह प्रभावित नहीं होगा। प्रवक्ता याकुन ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की पूरी वैज्ञानिक समीक्षा की गई है। इससे ईको सिस्टम को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा, उल्टे यह प्रोजेक्ट कुछ हद तक आपदा को रोकने में मदद ही करेगा। याकुन ने कहा कि चीन के इस प्रोजेक्ट से निचले इलाकों में जलवायु परिवर्तन संतुलित होगा। चीन ने पिछले महीने ब्रह्मपुत्र नदी पर हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इसके तहत ब्रह्मपुत्र पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाया जा रहा।

पत्रकार को व्हाट्सएप पर यूनियन बैंक की एपीके फाइल डाउनलोड करना पड़ा महंगा

साइबर ठगों ने निकाले खाते से 4 लाख 20 हजार

रायपुर। दिनोंदिन साइबर और डिजिटल अरेस्ट के मामले देश में बढ़ गए हैं। साइबर ठगों के शिकार आए दिन आम जनता, पुलिस, बैंक अधिकारी यहां तक आईटी वाले जिनको कम्प्यूटर की जानकारी आम लोगों से ज्यादा रहती है वह भी इन साइबर क्राइम की चपेट में आ रहे हैं। अब इन साइबर अपराधियों के हौंसले इतने बुलंद हो गए हैं कि देश का चौथा स्तंभ प्रेस (पत्रकार) को भी नहीं छोड़ रहे हैं। अब ऐसा ही एक मामला 'रायपुर दर्शन' के 'संपादक -प्रोपराइटर' के साथ घटित हुआ। पत्रकार के बेटे ने यह पूरा मामला विस्तार से ऐसा बताया।

अधिमान्य पत्रकार अरुण कुमार पटेल के बेटे ने बताया कि 30 दिसंबर 2024 को व्हाट्सएप में यूनियन बैंक की एपीके फाइल आई उसे मेरे पापा अरुण कुमार पटेल जो कि अधिमान्य पत्रकार मध्यप्रदेश शासन हैं ने डाउनलोड कर लिया जिससे उनका मोबाइल हैंग हो गया। फोन हेंग होने के बाद साइबर ठगों ने उक्त फाइल 20 से 25 मित्रों,रिश्तेदारों को भेज दी गई जो कि मैंने नहीं भेजी है। इसके बाद दोपहर में 30 दिसंबर को ही मेरे पापा के मोबाइल में एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आता है जिसका नंबर 9748845775 है और वह बोलता है कि आपका छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का नेट बैंकिंग बंद कर दिया गया है, किसी तकनीकी कारण की वजह से आप मुझे अपना पासवर्ड बता दें तो हम इसे यहां से चालू कर दें, जिसको मेरे पापा ने मना कर कहा कि मैं बैंक में ही आकर करवा लूंगा तो जिस पर ठग बोला कि अपना लकी नंबर या सिक्योरिटी क्वेच्शन का आंसर बता दें तब भी पापा ने मना कर दिया। इसके बाद ठगों का लगातार फोन आता रहा ओटीपी आता रहा। मैने बैंक में फोन किया था पर पापा और बैंक से तकनीकी कारणों से बात और संपर्क नहीं हो पाया, इसी वजह से यह स्थिति निर्मित हुई। जब 4 जनवरी 2025 को पापा मेरे छोटे भाई की फीस जमा करने के लिए बैंक जाते हैं तब पता चलता है कि बैंक में 9000 के लगभग बैलेंस बचा है, बाकी सारा पैसा साइबर ठगों ने उड़ा दिया। 4 जनवरी को ही शाम 5 बजे फिर से एक अज्ञात फर्जी फोन आने लगा। इस बीच बैंक से बात करके पूरा स्टेटमेंट बैंक से जब निकलवाया, तब पता चलता है कि 3 जनवरी 25 को दोपहर के 2.05 के लगभग इन्होंने 2 लाख रु + 2 लाख + 10000 + 10000 अलग-अलग तरह से चार ट्रांजैक्शन करके खाता खाली कर 4 लाख 20,000 रुपए निकाल लिया गया। बैंक द्वारा बोलने पर 1930 नंबर पर डायल किया गया लेकिन वहां किसी ने भी फोन उठाया नहीं। बार-बार लगाने के बाद भी हमे कोई जवाब नहीं मिला बस फोन की घंटी बजती रही किसी ने फोन उठाने की जहमत नहीं उठाई। ऐसी हेल्प सुविधा किस प्रकार जो कि फोन उठाते ही नहीं यह सहायता क्या करेंगे। इसके बाद बैंक ने और 1930 में जो हंड्रेड डायल पुलिस होती है उन्होंने यह बोला कि आप छत्तीसगढ़ रायपुर जाकर के एफआईआर दर्ज करें। मेरे मम्मी पापा के द्वारा छत्तीसगढ़ रायपुर आने पर संदीप मित्तल पुलिस अधीक्षक क्राइम रायपुर जिनका मोबाइल नंबर है 9479191005 इन्होंने हमसे यह बोला कि आपकी एफआईआर यहां दर्ज नहीं होगी क्योंकि आप के साथ हुई ठगी के वक्त आप भोपाल में थे। रायपुर साइबर क्राइम में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कंप्लेंट दर्ज कर दी गई है लेकिन छत्तीसगढ़ पुलिस के द्वारा बोलने पर भोपाल में कंप्लेंट दर्ज की गई है। हमारा काम लोगों को जागरुक करना है हम जनता की आम समस्याओं को सबके सामने लाते हैं जब हम पत्रकार जैसे लोगों को साथ ऐसा घट सकता है तो आम जनता के साथ इस समय क्या हो रहा। ऐसा लगता है कि पैसा न तो अब बैंक में सुरक्षित है न घर पर। आखिर आम जनता अपनी मेहनत की कमाई को कहां रखे।

विनोद नागर को लेखक संघ का हिन्दी सेवी सम्मान

भोपाल। राजधानी के वरिष्ठ लेखक, पत्रकार और स्तंभकार विनोद नागर को मध्य प्रदेश लेखक संघ ने वर्ष 2024 के अरविंद चतुर्वेदी स्मृति हिन्दी सेवी सम्मान से सम्मानित किया है। स्थानीय मानस भवन में आयोजित संस्था के 31वें वार्षिक सम्मेलन और साहित्यकार सम्मान समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार और रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे समारोह के मुख्य अतिथि और राज्य सूचना आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, उमाकांत पचौरी सारस्वत अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा ने की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश लेखक संघ के संरक्षक डॉ. रामवल्लभ आचार्य, अध्यक्ष राजेंद्र गट्टानी, उपाध्यक्ष ऋषि श्रृंगारी सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। समारोह में बड़ी संख्या में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आये साहित्यकार सम्मिलित हुए।

वर्ष 2024 में बालकवि बैरागी शिखर सम्मान प्राप्त श्री नागर गत वर्ष तुलसी साहित्य अकादमी (भोपाल) अखिल हिन्दी साहित्य सभा (अमरावती) साहित्य गंगा (जलगाँव) कादम्बरी (जबलपुर) जैसी अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी ने उन्हें वर्ष 2022 का नरेश मेहता सम्मान देने की घोषणा भी की है। विगत पाँच दशक से लेखन एवं पत्रकारिता में सक्रिय श्री नागर के छह खण्डों वाले रचना समग्र सहित कुल नौ पुस्तकें अभी तक प्रकाशित हो चुकी हैं।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में मंत्रालय में राज्य असिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एंड सरोगसी बोर्ड की बैठक हुई।

मंत्रालय में जनजातीय कार्य विभाग मंत्री श्री विजय शाह की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदाय छात्रवृत्ति योजनाओं के सरलीकरण एकरूपता एवं छात्रावास व्यवस्था में सुधार के संबंध में गठित अंतर्विभागीय समिति की बैठक हुई।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती कृष्णा गौर ने मंत्रालय में विभागीय समीक्षा की।

काटजू अस्पताल के अधीक्षक सहित 5 पर एफआईआर

इलाज में लापरवाही से हुई थी महिला की मौत बिना एनेस्थीसिया ऑपरेशन का आरोप

भोपाल (नप्र)। इलाज में लापरवाही के चलते एक महिला की मौत के करीब 7 महीने बाद भोपाल के काटजू अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर सहित 7 पर टीटी नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मृतका अस्पताल में नसबंदी के लिए आई थी। परिवार ने अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाया था कि अस्पताल में बिना एनेस्थीसिया के ही ऑपरेशन किया गया। जिसके चलते महिला की मौत हुई। टीटी नगर

पुलिस ने, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनंदा जैन, काटजू अस्पताल के अधीक्षक कर्नल पीके सिंह, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ, मेडिकल ऑफिसर मेडिको लीगल इंस्टीट्यूट जीएमसी डॉ. केलू ग्रेवाल और पैरामेडिकल स्टाफ पर एफआईआर दर्ज की है।वकील अनिल कुमार नामदेव ने लगाया बिना एनेस्थीसिया के ऑपरेशन का आरोप।

आईएमए की गाइडलाइन का उल्लंघन- वकील अनिल कुमार नामदेव ने बताया कि लंबी जद्दोजहद के बाद यह एफआईआर हुई है। प्राइवेट शिकायत पर न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज हुआ है। प्रारंभिक स्तर पर पाया कि यह मेडिकल नेग्लिजेंस का केस है। महिला को एनेस्थीसिया दिए बिना ओटी में लेकर गए। वहां उन्हें 1 सेमी का चीरा लगाया। इससे लापरवाही साबित होती है। वह 10 बजे पूरी तरह से स्वस्थ थीं। ऑल ऑफ सडन क्या हो गया कि है वह कोलेप्स हो गई। अभी तक की जानकारी में पाया गया है कि उस समय अस्पताल में दो दो एनेस्थीसिया विशेषज्ञ थे। मगर ओटी में एक भी नहीं गया था। यह आईएमए की गाइडलाइन का उल्लंघन है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के नव-नियुक्त आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव ने आज राजभवन में सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से लोकायुक्त मध्यप्रदेश जस्टिस सतेन्द्र कुमार सिंह ने आज राजभवन में सौजन्य भेंट की।

आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय में राज्य औषधीय पादप बोर्ड की बैठक हुई।

भोपाल के बिल्डर अपहरण कांड का आरोपी बोला, नितेश ने झूठा फंसाया

करोड़ों रुपए हड़पने का आरोप लगाया, परिवार सहित सुसाइड की धमकी दी, वीडियो आया सामने

भोपाल (नप्र)। श्रीमान मैं निर्दोष हूं.. बिल्डर नीतेश ठाकुर ने हम पर झूठी एफआईआर दर्ज कराई है। होशंगाबाद रोड पर एक कीमती जमीन का सौदा किया था। नीतेश हमारा पार्टनर है। इस सौदे में हमने 30 करोड़ रुपए प्रॉफिट कमाया। नीतेश की नीयत इस रकम को हड़पने की है। एडवांस के जो दस करोड़ रुपए मिले थे, वो नीतेश ने हमें फंसाने पर खर्च कर दिए। वल्लभ भवन में पदस्थ एक आईजी के नाम से नीतेश धमकाता है। हमारे घर पुलिस टीम के साथ पहुंचता है। पुलिस के नाम से धमकाता है। नीतेश स्वयं एक अपराधी है, जिसके खिलाफ कोलार, कोहेफिजा और सीहोर में कई आपराधिक केस दर्ज हैं। हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। केस की सीआईडी जांच कराई जाना चाहिए। सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। मैं निर्दोष जेल नहीं जाउंगा, ऐसी नौबत आई तो मैं परिवार सहित वल्लभ भवन के सामने सुसाइड कर लूंगा।

यह कहना है कोलार थाने में बिल्डर नीतेश सिंह ठाकुर अपहरण के फरार आरोपियों में से एक पंकज सिंह परिहार का। पंकज ने एक वीडियो जारी कर डीजीपी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की गुहार लगाई है। यह वीडियो सोशल मीडिया के जरिए सामने आया है।

बता दें कि पंकज सहित मामले के फरार सभी पांच आरोपियों पर हाल ही में तीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। केस की जांच एसीपी अंजली रघुवंशी के सुपरविजन में एसआईटी कर रही है। मामले में 18 नवंबर को एफआईआर दर्ज की गई थी। 43 दिन बाद भी पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर सकी है। इधर, बिल्डर नितेश ठाकुर ने आरोपियों द्वारा लगातार धमकाने के आरोप लगाए हैं।

संजय राजावत

आकाश राजावत

पंकज परिहार

ओम राजावत

हेमंत चौहान

आरोपियों की तलाश जारी- एडिशनल डीसीपी मलकीत सिंह ने बताया कि सात सदस्यीय एसआईटी मामले की जांच में जुटी है। आरोपियों पर तीस हजार का ईनाम घोषित किया है। आरोपियों की तलाश में उनके ग्वालियर स्थित ठिकानों पर भी पुलिस दबिश दे चुकी है। जांच के बाद ही प्रकरण दर्ज किया गया था। एक सप्ताह तक केस को जांच में रखा गया था। इस दौरान कोई आरोपी सामने नहीं आया, स्वयं के निर्दोश होने के प्रमाण भी जांच के दौरान उनके द्वारा नहीं दिए गए।

फरियादी ने अपहरण की घटना को लेकर ये बताया

नितेश सिंह ठाकुर ने बताया कि वह दानिश हिल्स कोलार में रहते हैं। भोपाल में रियल एस्टेट का काम हैं। हाल ही में मिसरोद में 32 करोड़ रुपए की एक जमीन बेची है। इसकी जानकारी उनके पूर्व परिचित संजय राजावत निवासी न्यू द्वारकापुरी पुरानी छावनी ग्वालियर, पंकज परिहार पिपरोली गढ़िया, जिला इटावा उत्तर प्रदेश, भोपाल ट्रैफिक पुलिस के आरक्षक रहा हेमंत चौहान, ओम राजावत निवासी पुरानी छावनी ग्वालियर और आकाश राजावत निवासी ग्वालियर को थी। हेमंत को छोड़कर फिलहाल सभी आरोपी मिनाल रेसीडेंसी में रह रहे थे और भोपाल में प्रॉपर्टी का काम कर रहे थे।

आरोपियों ने उसके अपहरण की प्लानिंग की। बहाने से उसे शादी का न्योता देकर ग्वालियर बुलाया और किडनैप कर बंधक बना लिया। इसके बाद दस करोड़ रुपए की मांग की। रकम नहीं देने पर उसे पीटा, आरोपियों ने नितेश की पत्नी से 30 लाख रुपए की वसूली भी कर ली थी।

एनएसयूआई की शिकायत पर यूजीसी ने मध्यप्रदेश सरकार को फर्जी विश्वविद्यालयों पर कार्यवाही के निर्देश दिए

फर्जी निजी विश्वविद्यालयों पर तत्काल कार्रवाई करे सरकार : रवि परमार

भोपाल। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एनएसयूआई (एनएसूयआई) की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश में संचालित फर्जी निजी विश्वविद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है। इस पत्र में यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि फर्जी विश्वविद्यालयों पर कार्रवाई का अधिकार राज्य सरकार के पास है।

यूजीसी ने दिए निर्देश

यूजीसी ने अपने पत्र में एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार द्वारा किए गए शिकायत पत्र का उल्लेख किया। शिकायत में उन्होंने बताया था कि राज्य में शिक्षा माफियाओं द्वारा संचालित फर्जी निजी विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। यूजीसी ने निर्देश दिया है कि राज्य सरकार इन विश्वविद्यालयों की जांच करे और उपयुक्त कार्रवाई के बाद पूरे मामले पर अपनी टिप्पणी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेजे ।

रवि परमार की शिकायत में क्या है?

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने शिकायत में आरोप लगाया था कि-

1. 70 प्रतिशत निजी विश्वविद्यालय फर्जी

राज्य के 70 प्रतिशत से अधिक निजी विश्वविद्यालय केवल कागजों पर संचालित हो रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों में न तो नियमानुसार स्टाफ है और न ही मानक भवन।

2. 32 विश्वविद्यालयों में अयोग्य कुलपति

हाल ही में मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने 32 विश्वविद्यालयों को नोटिस जारी कर 15 दिनों में योग्य कुलपति नियुक्त करने के निर्देश दिए थे।

3. फर्जी पते पर संचालन

कई विश्वविद्यालय फर्जी पते पर संचालित हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, छात्रों का प्रवेश भोपाल के नाम पर लिया जाता है, लेकिन कॉलेज रायसेन, विदिशा या सीहोर में चलता है।

4. डिग्री बेचने का धंधा

कुछ विश्वविद्यालय डिग्री बेचने का गोरखधंधा भी कर रहे हैं। छात्रों के प्रवेश का कोई समय निर्धारित नहीं है, और सत्र में सालभर दाखिले लिए जा रहे हैं।

5. फर्जी विश्वविद्यालयों द्वारा अवैध वसूली

छात्र छात्राओं से निजी विश्वविद्यालयों द्वारा अटेंडेंस लेट फीस के जुर्माने के नाम पर अवैध वसूली की जा रहीं जो विवि में बड़ी वित्तीय अनियमितताएं हैं ।

रवि परमार की मांग- रवि परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में संचालित सभी निजी विश्वविद्यालयों की गहन जांच की जाए और फर्जी विश्वविद्यालयों को बंद कर दोषी संस्थानों पर कानूनी कार्रवाई की जाए। यह कदम छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने और शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक है।

एनएसयूआई का बयान

रवि परमार ने कहा, फर्जी विश्वविद्यालय छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। हम राज्य सरकार और यूजीसी से आग्रह करते हैं कि इस मामले में सख्त कदम उठाए जाएं और दोषी संस्थानों को बंद किया जाए।

संविदा कर्मियों का धरना 6वें दिन स्थगित

प्रबंध संचालक ने लिखकर दिया-समस्याओं का जल्द निराकरण किया जाएगा

भोपाल (नप्र)। कुक्कुट विकास निगम के प्रबंध संचालक राजू रावत के लिखित आश्वासन के बाद संविदा कर्मचारियों ने निगम मुख्यालय में 6 दिन से चल रहा धरना स्थगित कर दिया है। संविदा कर्मचारी-अधिकारी महासंघ के अध्यक्ष रमेश राठौर ने बताया कि प्रबंध संचालक ने बताया कि संविदा कर्मचारियों की वेतनवृद्धि की नस्थी मंत्रालय पहुंच गई है, इस पर जल्द निर्णय लिया जा रहा है। वहीं अन्य समस्याओं का निराकरण भी जल्द कर देंगे। राठौर ने कहा कि रावत के कहने पर धरना स्थगित किया गया है। बता दें कि ये कर्मचारी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ 1 जनवरी से धरने पर बैठे थे। राठौर ने बताया कि निगम के प्रबंध संचालक ने मंगलवार को इन कर्मचारियों को चर्चा के लिए बुलाया था और सौहार्द्रपूर्ण चर्चा के बाद धरना स्थगित किया गया है। उल्लेखनीय है कि निगम के संविदा कर्मचारी संचालक मंडल की बैठक में लिए निर्णय के अनुसार वेतनवृद्धि की मांग कर रहे हैं।

वरिष्ठ रंगकर्मी आलोक चटर्जी का भोपाल में निधन

इरफान खान के करीबी दोस्त थे, ओम पुरी के बाद एनएसडी के दूसरे गोल्ड मेडलिस्ट रहे

भोपाल (नप्र)। जाने-माने थिएटर अभिनेता आलोक चटर्जी का 64 साल की उम्र में निधन हो गया। सोमवार रात 12 बजे भोपाल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वह मध्यप्रदेश स्कूल ऑफ ड्रामा के पूर्व निदेशक भी थे। अभिनेता ओम पुरी के बाद एनएसडी (नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा) के दूसरे गोल्ड मेडलिस्ट रहे।

हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार रहे इरफान खान से भी आलोक चटर्जी की गहरी दोस्ती थी। दोनों ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में साल 1984 से लेकर 1987 तक एक साथ पढ़ाई की। दोनों ने तीन साल तक नाटकों में लीड रोल भी निभाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित किया था। चार दिन बाद (11 जनवरी) उनका जन्मदिन आने वाला था।

लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे- रंगकर्मी बालेंद्र बालू ने बताया कि सोमवार रात करीब 11-12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वह कई बीमारियों से जूझ रहे थे। किडनी पैंक्रियाज में

भी समस्याएं थीं। उन्हें बंसल हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती किया गया था। उनके शरीर में इन्फेक्शन फैल गया था। इसके चलते उनके अंगों ने काम करना बंद कर दिया था।

आलोक ने लिखा था इरफान खान का पहला लव लेटर- भोपाल के रंगकर्मी बालेंद्र सिंह ने बताया कि इरफान खान जब भोपाल में जहांनुमा होटल में एक निजी कार्यक्रम में आए। तब आलोक भाई सिगरेट पी रहे थे और इरफान खान साहब बीड़ी। दोनों ने एनएसडी के दिनों के खूब किस्से सुनाए थे।

इरफान खान ने वहां ये बात कही कि मैं बहुत आलसी था। आलोक चटर्जी को देखकर मैने रियलिस्टिक एक्टिंग को जाना। मेरी प्रेम कहानी और शादी कराने में भी आलोक भाई शामिल रहे। मेरा लव लेटर आलोक लिखते थे और मेरा प्रेम का प्रस्ताव लेकर सुतापा जो अब मेरी पत्नी है उसके पास आलोक ही गए थे।

राष्ट्रपति ने दिया था संगीत नाटक एकेडमी अवॉर्ड- मध्य प्रदेश के दमोह में जन्मे आलोक चटर्जी 8वीं कक्षा पास कर जबलपुर चले गए थे। इसके बाद वे भोपाल में बस गए। बाद में उन्होंने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा से ड्रामा में डिग्री हासिल की। आलोक चटर्जी एनएसडी से बेस्ट एक्टिंग के लिए गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले दूसरे शख्स थे। उनसे पहले दिग्गज फिल्म स्टार ओम पुरी को नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा से गोल्ड मेडल मिला था। अपने अंतिम समय में अपने गृहनगर भोपाल में थिएटर कर रहे आलोक चटर्जी को 2019 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगीत नाटक एकेडमी अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

देवरी विधानसभा में हस्तक्षेप करते हैं सागर विधायक

विधायक पटेरिया के साथ इस्तीफा लेकर बीजेपी ऑफिस पहुंचे 12 पार्षद

भोपाल (नप्र)। सागर जिले में बीजेपी विधायकों के बीच चल रही खींचतान खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह और मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के बीच विवाद अभी थमा नहीं कि सागर विधायक शैलेंद्र जैन पर बीजेपी के पार्षदों ने देवरी विधानसभा में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है।

देवरी से बीजेपी विधायक बृज बिहारी पटैरिया के साथ प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे। बीजेपी पार्षदों ने आरोप लगाया कि सागर के बीजेपी विधायक शैलेंद्र जैन देवरी नगर परिषद में हस्तक्षेप करते हैं। देवरी नगर परिषद की अध्यक्ष नेहा अलकेश जैन बीजेपी के खिलाफ काम कर रहीं हैं।

विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी बृज बिहारी पटेरिया के खिलाफ काम किया था। हम लोगों ने अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लगाया था लेकिन उसी समय सरकार ने तीन साल का नियम बना दिया तो फैसला नहीं हो पाया। नगर पालिका में जो अनियमितताएं हुई हैं उनकी शिकायतों पर कार्रवाई शैलेंद्र जैन के हस्तक्षेप के कारण नहीं हो पाती है।

देवरी विधायक बोले- पार्टी फोरम पर बताएंगे- देवरी से विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने कहा- देवरी नगर परिषद में 15 पार्षदों की परिषद है। उनमें से 12 पार्षद यहां भोपाल आए हैं। कल (सोमवार) प्रदेश अध्यक्ष जी से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा-हितानंद जी से मुलाकात नहीं हो पाई। कल का समय दिया है। उन्हें पूरी स्थिति बताएंगे। सारे पार्षदों की अपनी-अपनी पीड़ा है। बहुत बातें ऐसी हैं जिन्हें प्रेस में नहीं बताया जा सकता, पार्टी फोरम पर बताएंगे। हम सब लोग इसलिए यहां आए ताकि पार्टी दखल करे और उन्हें भी समझाए और पार्षदों की पीड़ा को सुनकर समझकर फैसला लिया जाए।

इधर, सागर विधायक शैलेंद्र जैन ने बताया- 'सांच को आंच क्या'। जांच होनी चाहिए इसमें किसी को क्या हर्ज हो सकता है और मुझसे ही बात कर लेते। मैने उस समय जरूर कहा था जब देवरी नगर पालिका का अविश्वास प्रस्ताव कलेक्टर यहां लाया गया था तब मैंने कहा था यह गलत परंपरा शुरू हो जाएगी। आप सागर के पार्षदों को कैसे रोकेंगे? न जाने वहां के स्थानीय लोगों के आपसी विवाद में मुझे क्यों घसीट रहे हैं।

खरीद-फरोख्त कर पूर्व विधायक राणा ने बनाया था नपाध्यक्ष- देवरी नगर पालिका की पार्षद शशि पलिया के पति उमेश पलिया ने कहा- मैं भी पूर्व पार्षद हूं। देवरी नगर पालिका के 15 पार्षदों में से 2 कांग्रेस और 13 भाजपा के पार्षद हैं। देवरी के पूर्व विधायक भानू राणा द्वारा खरीद-फरोख्त करके कांग्रेस पार्षदों को साथ लेकर नेहा अलकेश जैन को अध्यक्ष बनाया गया था। उस समय हम लोगों ने काफी विरोध किया था।

उसके बाद जब परिषद का विस्तार हुआ तो नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए परिषद ने स्वीकृति दी। लेकिन जब काम जमीन पर आए तो उसमें भारी भ्रष्टाचार हुआ और रफ काम हुआ। इस बात के कारण नगर में हम लोगों को नीचा देखना पड़ रहा है कि सरकार के पैसे की बर्बादी हो रही है तो हम लोगों ने बिल पास नहीं किए। उनकी पीआईसी एक साल से भंग है। उनके साथ कांग्रेस के दो पार्षद हैं।

बीजेपी प्रत्याशी को हराने नपाध्यक्ष ने 20 लाख रुपए बांटे

हम लोगों ने समय अवधि में सागर कलेक्टर के समक्ष अविश्वास प्रस्ताव भी लाए थे। लेकिन मप्र सरकार के अध्यादेश में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास की अवधि तीन साल तय कर दी थी। इस कारण वो अविश्वास प्रस्ताव आज तक लंबित है। उच्च न्यायालय में हमारी याचिका लगी हुई है।

हम लोगों ने अपने विधायक जी और प्रदेश नेतृत्व को भी अवगत कराया है। इन लोगों ने विधानसभा चुनाव में वर्तमान विधायक के खिलाफ नगर परिषद अध्यक्ष और उनके साथियों ने बीजेपी प्रत्याशी को हराने के लिए 20 लाख रुपए बांटे। विधायक जी ने निष्कासन के लिए पत्र लिखा, हम लोगों ने शिकायत की तो अध्यक्ष का भतीजा जो मंडल अध्यक्ष था उसे पार्टी ने तत्काल हटा दिया। लेकिन अध्यक्ष के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

देवरी में हस्तक्षेप करते हैं सागर विधायक

पूर्व पार्षद उमेश पलिया ने कहा- सागर के विधायक शैलेंद्र जैन और हमारी नगर पालिका अध्यक्ष भी जैन समाज से हैं। वो हमारे देवरी विधानसभा में हस्तक्षेप कर रहे हैं। शैलेंद्र जैन ने कलेक्टर से कहकर अध्यक्ष के खिलाफ जांच रोकी हुई है। हम सब लोग दुखी होकर भोपाल आए हैं। उमेश पलिया ने कहा- हम सीएम से भी मिलने वाले हैं। हम 12 पार्षद अपना इस्तीफा लेकर आए हैं। हम लोगों ने जांच कराई तो शासन द्वारा हुई जांच में गलत तरीके से खरीदी में गड़बड़ी सिद्ध हो चुकी है। अगर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो हम सब 12 पार्षद पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। देवरी विधानसभा के 6 मंडल अध्यक्ष भी साथ में आए हैं।

संपादकीय

जनरल वकार की सुलझी सोच

बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां ने हाल में भारत के बारे में जो बातें कहीं, वो तार्किक और जमीनी हकीकत को पुष्ट करने वाली है। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि जनरल वकार ने खरी-खरी सुनाकर जहां बांग्लादेश में भारत विरोध को हवा दे रहे तत्वों को चेतावनी दे दी है, वहीं बांग्लादेश और भारत के रिश्तों की हदें भी तय कर दी हैं। जनरल वकार की बातों से भारत बांग्लादेश के कटु होते रिश्तों पर कुछ मरहम लग सकता है। जनरल वकार ने बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'प्रथम आलो' को दिए इंटरव्यू में कई बातें साफ की हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का भारत से लेन-देन का संबंध है। साथ ही उन्होंने चीन को भी बांग्लादेश के विकास में साझीदार बताया है। सेना प्रमुख ने कहा कि कि बांग्लादेश ऐसा कोई भी क़दम नहीं उठाएगा कि जिससे भारत के रणनीतिक हितों को चोट पहुँचे। भारत हमारा अहम पड़ोसी है। लेकिन दोनो देशों के बीच बराबरी का सम्बन्ध होना चाहिए। यह सच्चाई है कि कभी भारत का ही हिस्सा रहा बांग्लादेश आज भी काफी हद तक भारत पर निर्भर है। बांग्लादेश को 'इंडिया लॉक्ड' कंट्री भी कहा जाता है, क्योंकि बांग्लादेश की 94 फीसदी सीमा भारत से ही लगती है। बांग्लादेश का आज का नेतृत्व भले ही इस हकीकत को झुठलाने की कोशिश करे, लेकिन भारत ने बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजाद कराने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आज भी भारत बांग्लादेश को कई सुविधाएं देता है। जनरल वकार ने कहा कि जहां भारत से बांग्लादेश को फायदा है तो बांग्लादेश को भी भारत से फायदा है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को बेदखल करने के बाद वहां भारत विरोध का उबाल आया हुआ है। अल्पसंख्यक हिंदू, ईसाइयों पर हमले हो रहे हैं। कट्टरपंथी बेकाबू हैं। देश का संविधान और यहां तक कि राष्ट्रपिता को भी बदलने की बात हो रही है। कुल मिलाकर वहां अराजकता की स्थिति है। मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार असहाय ज्यादा है। परोक्ष रूप से सत्ता सेना के हाथ में है। ऐसे में जनरल वकार का यह बयान काफी मायने रखता है। इससे यह संकेत मिलता है कि बांग्लादेश के कट्टरपंथियों के हाथ में जाने के खतरे से सेना प्रमुख भी चिंतित हैं। बीएनपी और जमायते इस्लामी जैसे कट्टरपंथी पार्टियों से अलग सेना युवाओं की एक नई पार्टी बनाने की कोशिश भी कर रही है। इसमें उसे कितनी सफलता मिलेगी, कहना मुश्किल है। लेकिन जिस लाइन पर देश को ले जाने की कोशिश हो रही है, वह इस देश की बीती आधी सदी की सोच से एकदम विपरीत और बांग्लादेश को तालिबानी शासन की ओर ले जाने वाली है। फिर भी जनरल वकार ने हिम्मत के साथ सच बयानी की कोशिश की है तो इसका अर्थ यह है कि सेना पर उनकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। दूसरे जनरल वकार पूर्व पीएम शेख हसीना के करीबी रिश्तेदार भी हैं। उन्हीं की वजह से हसीना को सुरक्षित बांग्लादेश से निकालकर भारत भेजना संभव हुआ था। बहरहाल भारत बांग्लादेश में हो रही घटनाओं पर बारीक नजर रखे हुए हैं। भारत की पहली चिंता यही है कि पड़ोसी देश कहीं इस्लामिक कट्टरपंथियों के हाथों में और चीन के प्रभाव में न चला जाए। क्योंकि चीन भी भारत को चारों तरफ से घेरने का कोई मौका नहीं चूक रहा है। इसके अलावा पूर्वोत्तर में आतंकी गतिविधियों को बांग्लादेश के कट्टरपंथी तत्व बढ़ावा न दें, इस पर भी नजर रखना जरूरी है। हालांकि अभी तक भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कोई कठोर कदम उठाने से संकोच किया है, लेकिन वहां हालात न सुधरे तो वह भी करना पड़ सकता है।

नजरिया

बलदेव राज भारतीय

लेखक स्तंभकार हैं।

अखर रही है आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर चुप्पी

2025 की शुरुआत होते ही देश भर के कर्मचारियों की धड़कने तेज होने लगी हैं। इसका सीधा सीधा कारण आठवें वेतन आयोग को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी है। वेतन आयोग की स्थापना और उसका कार्यान्वयन सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को सुधारने और उनकी क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। यह न केवल कर्मचारियों के आर्थिक कल्याण का माध्यम है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। हालांकि, वर्तमान में आठवें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारियों के बीच चिंता और असंतोष गहराता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों की उदासीनता और नीतिगत पेचीदगियों ने इस असंतोष को और बढ़ावा दिया है। वैसे तो कर्मचारी अक्सर किसी भी सरकार से संतुष्ट नहीं होते। परन्तु केंद्र की भाजपा सरकार तो इस मामले में अन्य सरकारों से दो कदम आगे निकली।

वेतन आयोग का गठन भारत सरकार द्वारा हर 10 वर्षों में किया जाता है ताकि सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन और भत्तों की समीक्षा की जा सके। इसका उद्देश्य कर्मचारियों की जीवनशैली को बदलती आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप बनाना है। 1 जनवरी 2016 से लागू हुआ था। इसके तहत कर्मचारियों के मूल वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी की गई। अब आठवें वेतन आयोग की बारी है। जिसे अब तक गठित हो जाना चाहिए था, क्योंकि आयोग को अपनी सिफारिशें सौंपने में भी समय लगेगा और सरकार को उस पर निर्णय लेने में भी कुछ समय लगेगा। नियमानुसार इसे जनवरी 2026 से लागू होना चाहिए। लेकिन अब तक इसके गठन को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी ने कर्मचारियों के बीच बेचैनी बढ़ा दी है। यह बेचैनी इसलिए भी ज्यादा लग रही है क्योंकि कर्मचारी केंद्र सरकार पर भरोसा कर नहीं पा रहे हैं। उन्हें यह आशंका खाए जा रही है कि कहीं सरकार आठवें वेतन आयोग को बिठाए ही न। क्योंकि इससे पूर्व भी कर्मचारियों की पेंशन संबंधी मांगों को केंद्र सरकार ठुकरा चुकी है। कर्मचारियों की बहुत बड़ी मांग है कि सरकार पुरानी पेंशन योजना को यथावत लागू करे। परन्तु सरकार टस से मस नहीं हो पा रही है। उल्टे वह एन पी एस की जगह यू पी एस ले आई। जिसमें पेंशन का पूर्ण लाभ उठाने के लिए कर्मचारी के पास 25 वर्ष का सेवाकाल होना चाहिए। लेकिन इस शर्त को केवल 20 से 30 प्रतिशत कर्मचारी ही पूरा कर पाते हैं। क्योंकि बढ़ती बेरोजगारी और प्रतियोगिता के चलते अक्सर एक साधारण व्यक्ति को कम से कम 35 से 45 वर्ष की आयु में ही नौकरी मिल पाती है। ऐसे में वह यू पी एस की 25 वर्ष की अनिवार्य शर्त को कैसे पूरा कर सकता है।

सातवें वेतन आयोग के अनुसार, जब महंगाई भत्ता 25 प्रतिशत तक पहुंच जाए, तो मकान किराया भत्ता (HRA) 8/16/24 प्रतिशत से बढ़कर

9/18/27 प्रतिशत होना चाहिए। इसी प्रकार जब महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत तक पहुंच जाए, तो यह 10/20/30 प्रतिशत होना चाहिए। केंद्र सरकार ने तो अपने कर्मचारियों के मकान किराया भत्ते में उक्त अनुसार वृद्धि कर दी लेकिन राज्य सरकारें अक्सर इस पर आँखें मूंदे बैठी हैं तथा वेतन आयोग के कार्यान्वयन में अनियमितता और अपनी मनमर्जी दिखाती रही हैं। हरियाणा जैसे राज्यों में सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को अधूरा लागू किया गया, जिससे कर्मचारियों का असंतोष बढ़ा है। हरियाणा सरकार ने महंगाई भत्ते के साथ HRA में अपेक्षित बदलाव नहीं किए। राज्य स्तर पर वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने में देरी ने कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया।

आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। यह स्थिति कर्मचारियों के बीच आशंका पैदा कर रही है कि कहीं सरकार इस आयोग को गठित करने से पीछे न हट जाए। मौजूदा आर्थिक हालात में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। कर्मचारियों को अपने दैनिक खर्चों को पूरा करने में कठिनाई हो रही है।

आठवां वेतन आयोग जनवरी 2026 से लागू होना चाहिए। लेकिन यदि इसका गठन जल्द नहीं किया गया, तो इसके क्रियान्वयन में देरी हो सकती है। बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन कर्मचारियों के आर्थिक बोझ को बढ़ा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियां अस्पष्ट रहती हैं अतः नीतियों में पारदर्शिता की कमी कर्मचारियों के बीच भ्रम और असंतोष का कारण बन रही है। उधर सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच संवाद की कमी ने इस असंतोष को और बढ़ावा दिया है।

कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कदम उठाने चाहिए। सरकार को कर्मचारियों के हित में आठवें वेतन आयोग का गठन जल्द से जल्द करना चाहिए। ताकि आयोग समयबद्ध तरीके से अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कर सके और इसे जनवरी 2026 से लागू किया जा सके।

सरकार को कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को भी संवेदनशीलता के आधार पर मान लेना चाहिए। क्योंकि जहां एक बार विधायक या सांसद रहकर कोई व्यक्ति पेंशन का अधिकार प्राप्त कर लेता है और वह जितनी बार भी विधायक या सांसद बनता है उतनी बार की पेंशन प्राप्त करता है, तो कर्मचारी तो सच्चे सेवक हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, उन्हें क्यों पेंशन से वंचित किया जा रहा है? एक राजनेता की तो कोई रिटायरमेंट नहीं होती, परंतु कर्मचारी तो 58 या 60 साल में रिटायर हो जाता है। उसके बाद वह अपना गुजारा कैसे करेगा? अतः पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करना कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित बनाएगा। यदि पुरानी योजना को पूरी तरह बहाल करना संभव न हो, तो मौजूदा योजनाओं में ऐसा सुधार तो अवश्य किया जाना चाहिए जो रिटायरमेंट के बाद के जीवन को सुखद बनाए।

सरकार को कर्मचारी संगठनों के साथ नियमित संवाद स्थापित करना चाहिए। उनकी समस्याओं और सुझावों पर विचार करना चाहिए। राज्य सरकारों को वेतन आयोग की सिफारिशों को समान रूप से लागू करना चाहिए। कर्मचारियों के लिए समान आर्थिक अवसर सुनिश्चित किए जाने चाहिए। दूसरी ओर कर्मचारियों को भी पूरी तन्मयता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

आठवें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारियों की बढ़ती बेचैनी केंद्र और राज्य सरकारों के लिए एक चेतावनी है। यह न केवल कर्मचारियों की आर्थिक समस्याओं को दर्शाता है, बल्कि यह उनकी सरकार पर घटते विश्वास का भी प्रतीक है। सरकार को अपनी नीतियों में पारदर्शिता और समयबद्धता लानी होगी।

वेतन आयोग केवल वेतन बढ़ाने का माध्यम नहीं है; यह कर्मचारियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके काम के प्रति उत्साह को बढ़ाने का साधन है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें कर्मचारियों की चिंताओं को अनदेखा करती हैं, तो यह न केवल कर्मचारियों के मनोबल को गिराएगा, बल्कि प्रशासनिक कार्यक्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालेगा। अतः आवश्यक है कि सरकारें कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान दें और वेतन आयोग की सिफारिशों को समय पर लागू करें। यही देश के विकास और कर्मचारियों के हित में एक सकारात्मक कदम होगा।

नजीर

डॉ. आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

भारत को चाहिए सैकड़ों डॉ. तितियाल और दर्जनों एम्स

अभी बीते कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियों बहुत वायरल हो रहा था, जिसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के राजेन्द्र प्रसाद आई सेंटर के अध्यक्ष डॉ. जीवन सिंह तितियाल अपनी सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद अपने साथियों और रोगियों के साथ घिरे हुए हैं। उनकी आंखें नम है। दरअसल प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तितियाल नेत्र चिकित्सा में अपनी विशेषज्ञता और समर्पण भाव से अपने मरीजों की देखभाल के लिए जाने जाते रहे। वे लगभग साढ़े चार दशकों तक एम्स से जुड़े रहे। इस दौरान उन्होंने हजारों रोगियों का इलाज किया और वे लगभग इतने ही छात्रों के गुरु भी रहे। अगर एम्स को देश का सबसे बेहतर अस्पताल माना जाता है, तो उसे इस मुकाम पर लेकर जाने में डॉ. तितियाल जैसे डॉक्टरों का भी अहम रोल रहा है। डॉ. तितियाल के मार्गदर्शन में कई युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों ने उच्च स्तर की सफलता हासिल की है।

देखिए , किसी भी सफल डॉक्टर को अपने क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधानों को लेकर अपडेट तो होना ही चाहिए। उन्हें नवीनतम चिकित्सा अनुसंधान, उपचार और तकनीकों के बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए। इस लिहाज से डॉ तितियाल बेजोड़ रहे। डॉ. तितियाल सही ढंग से रोग का निदान करने और उपयुक्त उपचार योजना बनाने में भी सक्षम हैं। इसमें रोगी के लक्षणों, चिकित्सा इतिहास और परीक्षण परिणामों का विश्लेषण करना शामिल है। डॉक्टर को मरीजों को उनकी बीमारी और उपचार विकल्पों को स्पष्ट और सरल तरीके से समझाने में सक्षम होना चाहिए।

डॉ. तितियाल एम्स के मरीजों को ध्यान से सुनते थे और उनकी चिंताओं और सवालों को गहराई से समझते थे। उनसे मिलकर रोगी आश्वस्त महसूस करता था। वे सभी मरीजों के साथ सम्मान और गरिमा पूर्ण व्यवहार रखते थे, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। डॉ. तितियाल मोतियाबिंद सर्जरी में विशेषज्ञ हैं, जिसमें फेकोइमल्सीफिकेशन और इंट्राओकुलर लेंस प्रत्यारोपण जैसी आधुनिक तकनीकें शामिल हैं। उन्होंने कई जटिल मोतियाबिंद सर्जरी सफलतापूर्वक की। वे कॉर्निया प्रत्यारोपण, टेरिगियम सर्जरी और अपवर्तक सर्जरी (जैसे लेसिक) में भी

कुशल हैं। उनकी विशेषज्ञता कॉर्निया से संबंधित विभिन्न बीमारियों के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. तितियाल ग्लूकोमा के निदान और उपचार में भी अनुभवी हैं, जिसमें दवाओं, लेजर उपचार और सर्जरी का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, वे सामान्य नेत्र रोगों जैसे कि कंजंक्टिवाइटिस, ड्राई आई सिंड्रोम, और अन्य नेत्र संक्रमणों का इलाज करने में भी सक्षम हैं।

वे नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनके शोध प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं, जो उनके वैज्ञानिक योगदान को दर्शाते हैं। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेत्र विज्ञान सम्मेलनों में नियमित रूप से भाग लेते हैं और अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करते हैं। डॉ. तितियाल अपने मरीजों के प्रति समर्पित हैं और उनकी हर समस्या को ध्यान से सुनते हैं। वे व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने में विश्वास रखते हैं।

वे मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करते रहे। वे नवीनतम तकनीकों और उपचार विधियों का उपयोग करके मरीजों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करते रहे। उम्मीद करनी चाहिए कि वे आगे भी अपनी सेवाएं देते रहेंगे। डॉ. तितियाल ने जटिल मोतियाबिंद के मामलों के प्रबंधन पर भी महत्वपूर्ण शोध किया है, जैसे कि वे मामले जिनमें पुतली सिकुड़ी हुई है या लेंस का विस्थापन हुआ है। उनके शोध ने ऐसे रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं।

डॉ. तितियाल ने ग्लूकोमा के शुरुआती निदान के लिए नई तकनीकों का अध्ययन किया है। उन्होंने ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (OCT) और अन्य इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करके ग्लूकोमा से प्रभावित तंत्रिका फाइबर परत में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों का अध्ययन किया है। उन्होंने ग्लूकोमा के इलाज के लिए नए चिकित्सीय तरीकों की खोज में भी योगदान दिया है। उनके शोध में विभिन्न प्रकार की दवाइयों और शल्य चिकित्सा विकल्पों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने ग्लूकोमा की प्रगति की निगरानी के लिए नए तरीकों का अध्ययन किया है। उनके शोध से चिकित्सकों को ग्लूकोमा के रोगियों में दृष्टि हानि को रोकने में मदद मिली है।

डॉ. तितियाल ने कॉर्निया प्रत्यारोपण में उपयोग की जाने वाली नवीन तकनीकों का विकास किया है। उन्होंने एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी जैसी तकनीकों का अध्ययन किया है, जो कॉर्निया प्रत्यारोपण के बाद जटिलताओं को कम करने में मदद करती हैं।

उन्होंने सूखी आंख के कारणों और उपचार पर भी शोध किया है। उनके शोध ने सूखी आंख से पीड़ित रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं। डॉ. तितियाल ने कॉर्नियल संक्रमणों के प्रबंधन पर भी शोध किया है। उनके शोध ने इन संक्रमणों के लिए प्रभावी एंटीबायोटिक दवाओं और अन्य उपचारों की पहचान करने में मदद की है। डॉ. तितियाल का शोध नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा है। उनके शोध ने मोतियाबिंद सर्जरी को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने में मदद की है, ग्लूकोमा के शुरुआती निदान और उपचार को बेहतर बनाया है, और कॉर्नियल बीमारियों के इलाज के लिए नए विकल्प प्रदान किए हैं। उन्होंने रेटिना रोगों के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉ. तितियाल की तरह एम्स से ना जाने कितने डॉक्टर एमबीबीएस, एमएस,एमडी वगैरह करने के बाद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर के रूप में स्थापित हुए। एम्स अपने यहां पढ़े विद्यार्थियों को लगातार शोध करने और मानवीय बने रहने के लिए प्रशिक्षित करता है। यहां के डॉक्टरों में मानव सेवा का गजब का जज्बा देखने को मिलता है। विश्व विख्यात लेखक और मोटिवेशन गुरु डॉ.दीपक चोपड़ा,शिकागो यूनिवर्सिटी के पैथोलिजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार, गंगा राम अस्पताल के मशहूर लीवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अरविंदर सिंह सोईन, एम्स के मौजूदा डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया,ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.रमेश डेका, डॉ. पी.वेणुगोपाल,डॉ. सिद्धार्थ तानचुंग, यूरोलोजिस्ट डॉ. राजीव सूद जैसे सैकड़ों चोटी के डॉक्टरों ने एम्स में ही शिक्षा ग्रहण की और फिर इधर सेवाएं भी दीं। डॉ. राजीव सूद ने कुछ सालों तक एम्स में सेवा देने के बाद राजधानी के राममनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) को ज्वाइन किया और फिर इसके डीन भी रहे। वे कहते हैं कि एम्स की तासीर में सेवा है। जो एक बार एम्स रह लिया वह फिर मानव सेवा के प्रति समर्पित रहेगा। इधर डॉ. जीवन सिंह तितियाल के अलावा प्रोफेसर प्रदीप वेंकटेश, प्रोफेसर तरुण दादा, प्रोफेसर विनोद अग्रवाल जैसे बेहतरीन नेत्र चिकित्सक हैं। इन्हें आप संसार के सबसे कुशल डॉक्टरों की श्रेणी में रख सकते हैं। इन सब डॉक्टरों की देखरेख में देश के नए डाक्टर तैयार होते हैं।

आपको एम्स में देश के कोने-कोने से आए हजारों रोगियों का इलाज होता मिलेगा। यहां पर भिखारी से लेकर भारत सरकार का बड़ा बाबू भी लाइन में मिलेगा। एम्स के डॉक्टर किसी के साथ उनके पद या आर्थिक आधार पर भेदभाव नहीं करते। यहां पर सुबह-शाम रोगियों का आना-जाना इस बात की गवाही है कि देश को एम्स पर भरोसा है।

एम्स भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री और गांधी जी की सहयोगी राजकुमारी अमृत कौर के विजन का नतीजा है। जिस निष्ठा और निस्वार्थ भाव से एम्स के डॉक्टर रोगियों को देखते हैं, उससे समझ आ जाता है कि ये सामान्य अस्पताल तो नहीं है। भारत को अभी बहुत सारे एम्स और डॉ. तितियाल जैसे डॉक्टर चाहिए।

स्कूलों में 37 लाख कम प्रवेश कारणों में जाकर समस्या दूर करें

संदीप कुलश्रेष्ठ

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की हाल ही की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। देश में गत वर्ष 2023-24 में स्कूलों में पंजीयन कराने वाले छात्रों की संख्या में 37 लाख विद्यार्थियों की कमी दर्ज की गई है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के यूडीआईएसई आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में स्कूलों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या 25.17 करोड़ थी। यह वर्ष 2023-24 में घटकर 24.80 करोड़ रह गई।

लड़कों की संख्या ज्यादा कम हुई

स्कूलों में लड़कियों की संख्या 16 लाख कम हुई और लड़कों की संख्या 21 लाख कम हुई। राष्ट्रीय स्तर पर यूडीआईएसई में पंजीकृत छात्रों ने 26.9 प्रतिशत सामान्य छात्र थे। 18 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 9.9 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति और 45.2 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों की संख्या में गिरावट 17 लाख से अधिक है। हालांकि प्री प्रायमरी के नामांकन में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। ऐसे स्कूलों में 29 लाख की बढ़त है। वर्ष 2022-23 में प्री प्राइमरी में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या 1.01 करोड़ थी, जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 1.30 करोड़ पार कर गई।

3 साल में स्कूलों की संख्या घटी

वर्ष 2022-23 में स्कूलों की संख्या 14.66 लाख थी। जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 14.71 लाख हो गई। यह संख्या वर्ष 2021-22 में 14.89 लाख और वर्ष 2020-21 में 15.09 लाख थी। इस प्रकार पिछले 3 सालों में स्कूलों की संख्या घटी। यह भी एक सोच का विषय है।

कारणों में जाकर स्थिति सुधारे

केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के खुलासे से यह स्पष्ट होता है कि लड़के और लड़कियों दोनों की सख्या में गिरावट आई है। यह गंभीर सोच का विषय है। केन्द्र सरकार को इसके कारणों में जाने की आवश्यकता है। कारणों की तलाश कर प्रयास किए जाने चाहिए कि हर साल स्कूलों में संख्या कम होने की बजाय अनिवार्य रूप से बढ़ें। इसके लिए विशेषज्ञों के दल का गठन किया जाना चाहिए। फिर रिपोर्ट के आधार पर सुधार करने की जरूरत है। तभी छात्रों की संख्या में निरंतर बढ़ोत्तरी होना संभव हो सकेगा। जब देश की जनसंख्या निरंतर बढ़ रही है, तो छात्र-छात्रों की संख्या में कमी आना चिंता का विषय है। इस पर गंभीर चिंतन, मनन और कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

गोविन्द सेन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

स्वर्ग का लालीपॉप

ज्ञानीजी अज्ञानी को ज्ञान दे रहे थे. वेधाराप्रवाह बोलते जा रहे थे. अज्ञानी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि वेक्या कहना चाह रहे हैं.दरअसल ज्ञानीजी अज्ञानी को नाम की महिमा बता रहे थे. कह रहे थे कि भगवान का नाम लेने से स्वर्ग मिलता है.

- कितनी बार भगवान का नाम लूँ.
- एक घड़ी आधी घड़ी आधी में पुनि आध. कलयुग में नाम आधारा.
- मतलब.
- एक चौथाई घड़ी में भी एक बार भगवान का नाम ले लो तो तुम्हारा उद्धार हो जाएगा.
- उद्धार यानी क्या ज्ञानीजी.
- उद्धार यानी स्वर्ग का मिलना.
- यदि मैं एक से अधिक बार नाम ले लूँ तो....
- तो तुम्हें उतनी ही बार स्वर्ग मिल जाएगा.
- छह बार लूँ तो क्या मुझे छह बार स्वर्ग मिल जाएगा.
- हाँ भई हाँ. वैसे एक बार स्वर्ग मिल जाए तो दुबारा उसकी जरूरत ही नहीं पड़ती.
- मुझे रोजगार नहीं मिला तो मेरी शादी भी नहीं हुई. किसी ने मुझे अपनी लड़की दी नहीं. किसी लड़की ने मुझे पसंद भी नहीं किया. स्वर्ग में मेरी शादी हो जाएगी क्या?
- अबे गधे. (उन्हें जब अज्ञानी पर प्यार आता है तो उसे गधे नाम से संबोधित करने लगते हैं.) स्वर्ग में शादी की ज़रूरत ही नहीं है.वहाँ तो वैसे भी अप्सराएँ मिलेंगी. मीठा मिल जाए तो कड़वा कोई मूरख ही खाएगा.
- मैं बेरोजगार रहूँगा फिर भी.
- हाँहाँ फिर भी. और यह भी जान ले गधे, वहाँ तो रोजगार की जरूरत ही नहीं रहेगी.
- फिर रोटी कैसे कमाऊँगा.
- गधे वहाँ तो भूख ही नहीं लगेगी. और लगे तो इच्छा करने मात्र से वह हाज़िर हो जाएगा. जलेबी की इच्छा होगी तो जलेबी और रबड़ी चाहोगे तो रबड़ी.
- स्वर्ग में लॉलीपॉप मिलेगा?
- गधे, स्वर्ग खुद लॉलीपॉप है.
- हवाई चप्पल पहनकर हवाई जहाज में उड़ने की मेरी बहुत इच्छा है ज्ञानीजी. क्या मैं हवाई जहाज में उड़ सकूँगा.
-क्यों नहीं. इच्छा करते ही हवाई जहाज भी आ जाएगा. वह भी पुष्पक विमान जैसा. स्वर्ग में हर चीज़ बढ़िया होती है गधे.
- लेकिन पैसे.
- गधे स्वर्ग में पैसे नहीं लगते. स्वर्ग में सब कुछ फ्री है. एक बार स्वर्गवासी हो जाओ बस.
- मैं चाहता हूँ कि मेरे पास अपनी लग्ज़री कार हो.
- जरूर होगी.
- लेकिन स्वर्ग में ट्रैफिक की प्रॉब्लम तो नहीं होगी.
- नहीं गधे वहाँ कोई प्रॉब्लम ही नहीं होगी. वहाँ सड़कों की जरूरत ही नहीं होगी. इच्छा मात्र से इच्छित जगह पर पहुँच जाओगे. कोई प्रॉब्लम न होना ही वहाँ की प्रॉब्लम होगी.
- बीमार पड़ूँगा तो इलाज हो जाएगा ना.
- अरे गधे वहाँ कोई बीमारी ही नहीं होगी. राजाओं की तरह रहोगे.अप्सराएँ तुम्हारे पैर दबाएँगी.
- एक बात पूछूँ ज्ञानी जी, स्वर्ग कहीं और है तो ये कौनसी जगह है.
- गधे यह नरक है. इतना भी नहीं समझते. वाकई तुम निरे गधे हो.
- भगवान का नाम तो रोज़ कई बार लेता हूँ. फिर भी मुझे स्वर्ग क्यों नहीं मिल रहा.
- गधे, बिना मरे स्वर्ग नहीं मिलता. अधिक जल्दी हो तो किसी व्यस्त सड़क पर निकल जा. कोई न कोई वाहन तुझे स्वर्ग पहुँचा ही देगा. चल अब मुझसे अधिक पूछताछ न कर. मुझे अन्यत्र भी ज्ञान बाँटना है. स्वर्ग का लॉलीपॉप पकड़ना है. मेरे शैदाई मेरी बाट जोह रहे हैं. चल अच्छा बाय. टाटा.

पृथ्वी घूर्णन दिवस पर विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

मानव, गिरि-कानन, सिंधु कर रहे धरा की सवारी

लेख का शीर्षक पाठक को आश्चर्यचकित कर रहा होगा कि आखिर हम मनुष्य, पहाड़, जंगल, पशु-पक्षी, विशाल महासागर और अन्यान्य छोटे-बड़े जीव-जंतु धरती की सवारी कैसे कर सकते हैं? और यदि हम सवारी कर रहे हैं तो यह धरती हमें गति करते हुए दिखती क्यों नहीं और हम गतिमान पृथ्वी पर सवारी करते हुए स्थिर होकर दैनंदिन कार्य-व्यवहार सहजता पूर्वक कैसे सम्पन्न कर लेते हैं। और धरती हमें कहीं और क्यों नहीं ले जाती या हमारे घर-परिवार, पड़ोस मकान आदि की भौगोलिक स्थितियां परिवर्तित क्यों नहीं होतीं? उत्तर है क्योंकि हम सभी पृथ्वी के साथ-साथ घूम रहे हैं। सामान्य तौर पर व्यक्ति, जीव-जंतु या वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने हेतु सवारी साधन का प्रयोग किया जाता है। दरअसल सवारी का अर्थ किसी चलित वस्तु से है, इस अर्थ में देखें तो हमारी पृथ्वी अपने जन्म काल से लगातार चल रही है और हम सभी उस पर सवार हैं। पर हमें यह कैसे पता चला कि पृथ्वी चल रही है। यह जानकारी समाज तक पहुंचाने का श्रेय जाता है लियोन फौकॉल्ट को। कौन है यह महनीय व्यक्तित्व और इसने क्या किया था, आईए उनके योगदान को जानते हैं।

फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी ज़ीन बर्नाड लियोन फौकॉल्ट ने 8 जनवरी, 1851 को अपने उपकरण एक खास प्रकार के पेंडुलम के माध्यम से पहली बार पृथ्वी के अपने अक्ष में घूमने का सफल प्रयोग करके दुनिया को दिखाया। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को स्मरण रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 8 जनवरी को पृथ्वी घूर्णन दिवस या अर्थ रोटेशन डे मनाया जाता है ताकि आने वाली पीढ़ियां लियोन फौकॉल्ट के महान योगदान से परिचित हो श्रद्धा व्यक्त कर सकें। हालांकि इसके पूर्व भी बहुत सारे विज्ञानियों ने इस सम्बंध में कुछ प्रयोग किए थे पर वह पूर्णता तक नहीं पहुंच पाए थे। यदि हम भारतीय संदर्भ की बात करें तो आर्यभट्ट ने सर्वप्रथम पृथ्वी के गोलाकार होने तथा अपने अक्ष (धुरी) पर घूर्णन करने के बारे में बताया था। पृथ्वी का अक्ष एक काल्पनिक रेखा या बिंदु है जिस पर पृथ्वी 66.1/2 डिग्री का कोण बना पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर घूर्णन करती है। पृथ्वी अपने अक्ष पर घूर्णन करते हुए लगभग 24 घंटे (23 घंटे 56 मिनट एवं 44 सेकेंड) में एक चक्कर पूरा करती है। इसी घूर्णन गति के कारण हम पृथ्वी पर दिन और रात का अनुभव करते हैं। पृथ्वी की अपने अक्ष पर घूर्णन गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। घूर्णन गति के अलावा पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा भी करती है जिससे पृथ्वी पर ऋतुओं में बदलाव होता है। सूर्य की एक परिक्रमा करने में पृथ्वी को 365 दिन 6 घंटे 4 सेकंड का समय लगता है। सवाल उभरता है कि इतनी तीव्र गति से घूर्णन करने वाली पृथ्वी पर हम स्थिर कैसे हैं? सामान्यतः कह सकते हैं कि पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति सभी को अपनी ओर खींचें रहती है। यदि ऐसा न होता तो पृथ्वी पर कुछ भी स्थिर नहीं होता। उपग्रह राकेट आदि प्रक्षेपण के लिए पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से बाहर निकलना आवश्यक होता है जिसे पलायन वेग कहा जाता है

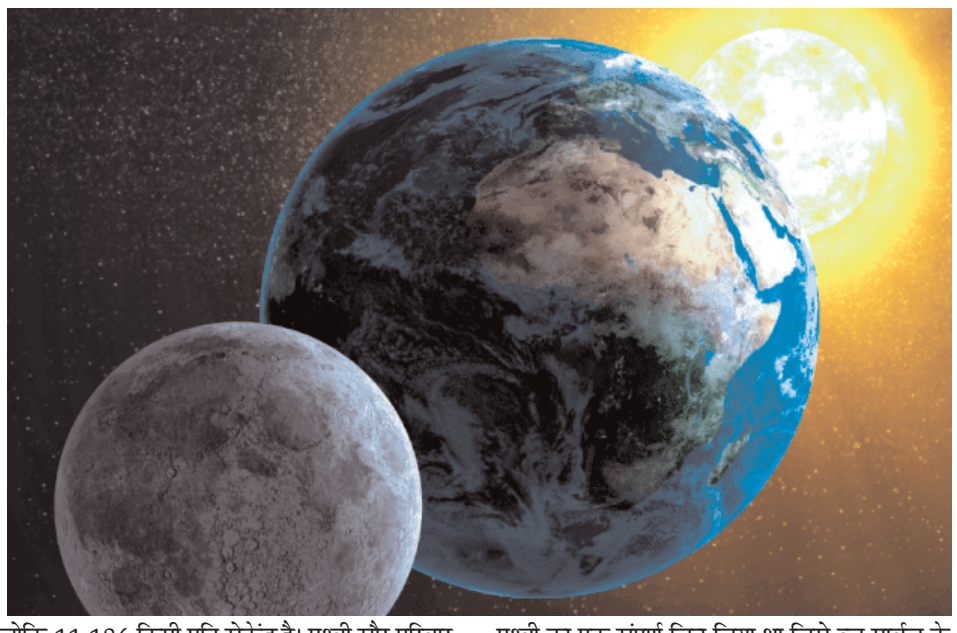

जोकि 11.186 किमी प्रति सेकेंड है। पृथ्वी सौर परिवार का सूर्य से तीसरा ग्रह है जिसके 71 प्रतिशत भाग पर जल तथा 29 प्रतिशत भूमि भाग है। यह 71 प्रतिशत का 99 प्रतिशत जल खारे पानी के रूप में महासागरों में है। केवल 1 प्रतिशत मीठा जल ग्लेसियर, झीलों, नदियों, तालाबों और कुओं में उपलब्ध है। पृथ्वी पर जल की उपलब्धता द्रव, गैस और ठोस रूप में है। 1972 में अंतरिक्ष यान अपोलो-17 ने अंतरिक्ष से पृथ्वी का एक संपूर्ण चित्र लिया था जिसे ब्लू मार्बल के नाम से जाना जाता है, तभी से पृथ्वी को नीला ग्रह भी कहा जाने लगा है। पृथ्वी में 78 प्रतिशत नाइट्रोजन गैस और 21 प्रतिशत ऑक्सीजन गैस की उपलब्धता है शेष भाग में कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड तथा अक्रिय गैस और जलवाष्प है। यदि हम पृथ्वी की विषुवतीय त्रिज्या की बात करें तो यह 6378.1 किमी तथा ध्रुवीय त्रिज्या 6356.8 किमी है क्योंकि पृथ्वी उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुवों पर गोलाकार न होकर आंशिक चपटी है। सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी को अंतरिक्ष में टिकाए हुए है।

वास्तव में पृथ्वी सभी प्राणियों एवं वनस्पतियों का आश्रय स्थल है। वह सम्पूर्ण चराचर जगत को धारण करने वाली धरा है। वह नाना विधियों से जीव-जंतुओं का पोषण करने वाली माता है, इसीलिए भारतीय वांग्मय में मनुष्य ने स्वयं को उसकी सन्तान स्वीकार कर माता के रूप में अर्चना आराधना करते हुए माता भूमिः पुत्रोहं पृथ्वियाः कहा है। धरती रत्नों की खान है इसलिए वह रत्नगर्भा है। वह षटरस से युक्त है। वह सुगंधा है, मेघों को आकर्षित करने वाली है। अपनी पीठ पर गिर कानन को स्थान दे समस्त जीव-जंतुओं के लिए भोजन और औषधियों को प्रदान करने वाली ममतायुक्त वत्सला मां है। वह चिर शांति स्थिर प्रज्ञा है। वह सहनशक्ति और धैर्य की पराकाष्ठा का अंतिम बिंदु है। धरा स्वधर्म पालन एवं व्यवहार में मौन तपस्यारत साधिका है। पर मानव के लालच ने ऊँचे पहाड़ खोदकर विशाल गड्ढे बना दिए। सदानीरा नदियों का वक्षस्थल चीरकर बालू की अंतिम परत तक निकाल ली। जलद मीत कानन मानव तृष्णा की भेंट चढ़ गये। फलतः पृथ्वी का अक्षीय संतुलन अस्थिर हो रहा है जिसका असर उसकी घूर्णन गति पर पड़ रहा है। विज्ञानी चिंतित हैं और हम ? विचार करें पृथ्वी है तो हम हैं, हमारी खुशियां है और है अनेकानेक जीव-जंतुओं का सान्निध्य-साहचर्य। पृथ्वी मां है, अपनी संतान के जीवन निर्वाह के लिए वह दोनों हाथ उदारमना हो उपहार बांट रही है। हम पृथ्वी मां की सेवा साधना करें, विनाश नहीं।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

वैचारिक प्रतिबद्धता को लेकर एक विचार यह भी

अंतर्मन में विचारों का सैलाब एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। अनेक अवसरों पर हम अपने ही विचारों को मन ही मन में दबा जाते है। कभी लोक लाज भारी पड़ जाती है तो कभी अंतरात्मा गंवारा नहीं करती। जिसके चलते मन की बात मन में ही दबी रह जाती है। इस कारण मन कभी-कभी कुंठाग्रस्त हो जाता है और कालांतर में मानसिक तनाव का कारण भी बन जाता है। मुद्दा चाहे व्यक्तिगत, पारिवारिक अथवा सामाजिक हो, एक समय में एक ही विचार पर अडिग रहना हर किसी के लिए संभव नहीं हो पाता। अनेक अवसर ऐसे भी आ जाते हैं जब देशकाल और परिस्थिति के चलते हमें अपने विचारों मे आमूल चूल परिवर्तन के लिए बाध्य होना पड़ सकता है।

पीढ़ी-दर-पीढ़ी वैचारिक दृष्टिकोण में परिवर्तन एक सहज स्वाभाविक प्रक्रिया है। ऐसे में यह जरूरी नहीं कि आदि-अनादिकालीन रीति रिवाज और परंपराओं का परिपालन भावी पीढ़ी भी आंख मूंदकर करती रहे। दरअसल नई पीढ़ी हर किसी विषय को तर्क के आधार पर ही मूल्यांकित करती है। ऐसी स्थिति में जरूरी नहीं कि हमारी अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता नई पीढ़ी के सम्मुख तर्क की कसौटी पर व्यवहारिक करार दी जा सके। दरअसल किसी भी विषय पर अंतिम निष्कर्ष व्यक्ति के ज्ञान, कौशल एवं अनुभव पर आधारित रहा करता है। इस दृष्टि से कल तक हम जिस विचार के साथ प्रतिबद्ध रहे, ऐसी प्रतिबद्धता को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी सही ठहराया जा सके- यह जरूरी नहीं है।

अंतर्मन में विचारों का सैलाब एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। अनेक अवसरों पर हम अपने ही विचारों को मन ही मन में दबा जाते है। कभी लोक लाज भारी पड़ जाती है तो कभी अंतरात्मा गंवारा नहीं करती। जिसके चलते मन की बात मन में ही दबी रह जाती है। इस कारण मन कभी-कभी कुंठाग्रस्त हो जाता है और कालांतर में मानसिक तनाव का कारण भी बन जाता है। मुद्दा चाहे व्यक्तिगत, पारिवारिक अथवा सामाजिक हो, एक समय में एक ही विचार पर अडिग रहना हर किसी के लिए संभव नहीं हो पाता। अनेक अवसर ऐसे भी आ जाते हैं जब देशकाल और परिस्थिति के चलते हमें अपने विचारों मे आमूल चूल परिवर्तन के लिए बाध्य होना पड़ सकता है।

ऐसी स्थिति में विचारों में लचीलापन आज के दौर की पहली आवश्यकता है। दरअसल वर्तमान दौर में आम आदमी की जीवन शैली में ही परिवर्तन नहीं हुआ है अपितु सोच विचार के तरीके भी बदलते जा रहे हैं। तकनीकी दृष्टि से दुनिया को मुट्ठी में कर लेने के हौसले के साथ-साथ आज आदमी भीड़ में भी अपने आप को अकेला ही पाता है। रहा सवाल पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते नातों का, तो इसमें भी बनावट की बुनावट ही अधिक दिखाई देने लगी है। अच्छे समय में अपनों का साथ बहुत स्वाभाविक है, लेकिन बुरे समय में अपनों के साथ की उम्मीद बेमानी होती जा रही है। हर कोई अपने ही स्वार्थ के वशीभूत जीवन जीने का आदी होता जा रहा है।

ऐसी स्थिति में हर समय आदमी अपने ही विचारों से घिरा हुआ रहता है। जाहिर है कि कुछ विचार सकारात्मक होते हैं तो कुछ विचार नकारात्मक होते हैं। विचारों का यह सैलाब किसी को जीवन रण संग्राम में जूझने को प्रेरित करता है तो कहीं किसी को हतोत्साहित कर देता है। इस स्थिति से बचने का एकमात्र रास्ता यही हो सकता है कि हम समय की नब्ज को पहचानते हुए अपने ही विचारों को तर्क की कसौटी पर अच्छी तरह परख लेवे। बहुत संभव है कि इसके चलते अपने ही विचारों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता को समझने लगे। अन्यथा लकीर के फकीर रहने की स्थिति में हम सही होकर भी गलत करार दिए जा सकते हैं।

अनेक अवसरों पर एकतरफ़ा सोच तमाम तरह के मनमुटाव एवं विवादों का मुख्य कारण बन जाता है। जिसके चलते व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक रिश्ते तक दांव पर लग जाया करते हैं। नतीजा यह होता है कि फिर हम असुरक्षा की भावना से भर जाते हैं। अनजानी आशंकाएं मानसिक रूप से व्यथित तो करती ही है लेकिन शारीरिक व्याधियों को भी हम न्योता दे बैठते है। ऐसे में मन का सुकून कोसों दूर हो जाता है और हर समय दिल और दिमाग बेचैनी के दौर से गुजरता रहा करता है। ऐसे में जो कुछ हमारे लिए सरल एवं सहज होता है, वही दुष्कर लगने लगता है। जीवन की छोटी से छोटी समस्याएं भी हमारे लिए बड़ी चुनौती बन जाया करती है।

यही नहीं अपितु हम अपनी मानसिक एवं शारीरिक श्रम शक्ति का भी समुचित तरीके से दोहन नहीं कर पाते। जिसके चलते औरों की नजरों में हमारा जीना या मरना कोई मायने नहीं रखता। एक प्रकार से हमारा जीवन हमारे और हमारे अपने वालों लिए भी बोझ लगने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए बेहतर यही है कि हम अपने अंतर्मन के विचारों की कट्टरता का परित्याग कर देवे। दरअसल हमने जो जीवन जिया है, उस जीवन से सर्वथा परे भावी पीढ़ी को जीवन जीना है। यानी कि जो दौर हमने देखा, जरूरी नहीं कि नई पीढ़ी भी वही दौर देखें। परिवर्तन केवल समय का ही नहीं है अपितु परिवर्तन तो देश काल और परिस्थिति का भी है।

इस समय जमाना बहुत तेजी के साथ बदल रहा है। हर एक बात को समझने के लिए हर किसी का अपना एक अलग ही दृष्टिकोण हुआ करता है। जिसके चलते आमतौर पर नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच सोच विचार में अंतर की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। ऐसे में बेहतर यही है कि बदलते दौर के साथ हम भी अपने सोच विचार में आमूल चूल परिवर्तन करने की मानसिकता बनाए रखें। अन्यथा सिवाय मानसिक संताप के अतिरिक्त और कुछ हांसिल नहीं होगा। दरअसल जमाने को दोष देना व्यर्थ है। अब वह दौर नहीं रहा जब सांसारिक जीवन में अनुभव की महत्ता निर्विवाद रहा करती थी। लेकिन आज के दौर में आज को 'आज' के संदर्भ में ही समझने की आवश्यकता है।

अलविदा आलोक चटर्जी

जीवन की रंगभूमि से सिद्ध अभिनेता विदा हुआ

भोपाल। भोपाल के रंगमंच के जगमग सितारें आलोक चटर्जी अब हमारे बीच नहीं रहे। यह सूचना मंगलवार सुबह जिस तेजी से फैली कला जगत उतनी ही तेजी से मायूसी में खो गया। प्रसिद्ध एवं वरिष्ठ रंगकर्मी, नाट्य जगत के नटसम्राट आलोक चटर्जी ने बंसल हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। का दौर था। 1982 में इंदिरा गांधी भारत भवन का उद्घाटन कर चुकी थीं। तब इस बहुकला केंद्र में एक रेपर्टरी अस्तित्व में आई। इस रंगमंडल के निदेशक थे मशहूर रंगकर्मी ब व कारंत। उस वक्त मेरी सहाफत शुरू नहीं हुई थी। बहरहाल मेरे बड़े भाई स्व.शाहिद मिर्ज़ा नईदुनिया इंदौर में आर्ट एंड कल्चर,

उनके निधन पर देशभर से कला प्रेमियों और दोस्तों ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह क्षति न केवल रंगमंच बल्कि समस्त कला जगत के लिए अपूरणीय है। मध्यप्रदेश के दमोह, जबलपुर से रंगमंच की यात्रा की शुरुआत करने वाले आलोक चटर्जी सिनेमा के ग्लैमर को दरकिनार करके रंगमंच को समर्पित रहे। भारत भवन भोपाल के पूर्व अभिनेता, एनएसडी के गोल्ड मेडलिस्ट अभिनेता आलोक चटर्जी के अपने नाटक 'मृत्युंजय' और 'नट सम्राट' के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उन्हें अप्रतीम अभिनय कौशल के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी प्रदान किया गया था।

उनके निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए मित्र चित्रकार अखिलेश कहते हैं कि हम लोग किराए के घर में रहते थे जिसमें एक बड़ा सा आँगन होता था। इस आँगन में कई दोस्तों के काव्य पाठ, उपन्यास अंश आदि होते रहे। एक बार यह योजना बनी कि निर्मल वर्मा का 'डेढ़ इंच ऊपर' अभिनीत हो और यह कि चार दिन चार प्रस्तुति आलोक चटर्जी, जितेंद्र शास्त्री, आशीष कोतवाल और प्रेम गुप्ता करेंगे। इसमें एक प्रस्तुति और जुड़ी संजय मेहता की।

ये प्रस्तुतियाँ एक अवर्णनीय अनुभव था। आलोक की प्रस्तुति उस पाठ को एक अलग स्तर पर ले गयी। उसका दार्शनिक पक्ष उजागर तो हुआ ही साथ ही अभिनय का अनोखा प्रदर्शन सभी को चकित कर गया। यह आलोक के एनएसडी जाने के पहले का अवसर था। एनएसडी जाकर उसने अपने को और निखारा। हाल ही में नट सम्राट में उसका अभिनय दर्शक को रुला देने वाला था। आलोक का जाना आलोक की स्मृति को प्रगाढ़ कर गया।

वरिष्ठ पत्रकार आरिफ मिर्जा लिखते हैं कि ये अस्सी के दशक फीचर और साक्षात्कार में उम्दा नाम कमा चुके थे। वे जब भी इंदौर से भोपाल आते मैं उन्हें लेकर भारत भवन जाता। उसी दौर में मेरी भेंट आलोक चटर्जी से हुई थी। शाहिद भाई उन्हें जबलपुरी स्टाइल में -और बड्डे का हाल कहते। माशा अल्ला बड़े हैंडसम थे दादा। ये वो समय था जब भारत भवन का ये रंगमंडल दिल्ली के एनएसडी के बाद सबसे प्रतिष्ठित माना जाता था। ब व कारंत ने जिन युवा रंगकर्मियों को रंगमंडल के लिए चुना था उनमें जावेद ज़ैदी, विभा मिश्रा, जयंत देशमुख, शरद शबल, गोपाल दुबे, शोभा शर्मा, आशीष कोतवाल, इरफान, मांगीलाल, कुलभूषण दलोरी सहित कई कलाकार थे। उन्हीं में आलोक चटर्जी का अलग ही मयार था। अस्सी की दहाई में घासीराम कोतवाल, आधे अधूरे, हयवदन, स्कंदगुप्त, महानिर्वाण, अंधायुग में आलोक दादा ने अपने अभिनय की छाप छोड़ी। बाद में जब भारत भवन का एक तरह से पतन हो गया तब दादा ने अपने स्तर पर थियेटर को भरपूर जिया। वे एक फ्रीलांस आर्टिस्ट बन गए। बाद में वे वे कुछ अरसा मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के डायरेक्टर भी रहे। अपनी पत्रकारिता के दौरान यदा कदा दादा से मेल मुलाकातें होती रहीं। राज टीवी में रहते हुए एक बार उनका छोटा सा इंटरव्यू भी लिया था। तब वे भास्कर के सामने अभिव्यक्ति के भवन में अपने निर्देशन में कलाकारों को रिहर्सल करवा रहे थे। दादा रंगकर्म के लिए जितने समर्पित थे उनकी ज़िंदगी उतनी ही बिखरी बिखरी सी थी। दादा जीवन के रंगमंच से आप की ये एग्जिट गले नहीं उतर रही।

रंग गुरु कारंत जी के प्रतिभाशाली शिष्ट आलोक चटर्जी के जाने के बाद रंगमंच का आलोक भी स्याह हो गया है। उन्हें श्रद्धांजलि।

मुद्दा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

शार्टकट और कॉपी पेस्ट की जकड़न में जेनरेशन

आज की जेनरेशन शार्टकट और कॉपी पेस्ट से आगे नहीं निकल पा रही है। इंटरनेट, मोबाइल, कम्प्यूटर और सोशियल मीडिया ने नई जेनरेशन को सीमित दायरे में कैद करके रख दिया है। नई पीढ़ी में से अधिकांश युवा कुछ नया करने, नया सोचने, नई दिशा खोजने के स्थान पर गूगल गुरु या इसी तरह के खोजी एप के सहारे आगे बढ़ने लगी है। तकनीक का विकास इस तरह से सोच और समझ को सीमित दायरें में लाने का काम करेगी यह तो सोचा ही नहीं था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तो इससे भी एक कदम आगे निकल गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक सहायक की भूमिका में हो तो वह आगे बढ़ने में सहायक हो सकती है पर तकनीक का जिस तरह से उपयोग होने लगा है वह ज्ञान और समझ को थुथला करने में ही सहायक सिद्ध हो रही है। यही कारण है कि आज की पीढ़ी से कोई भी सवाल करों वह उसका उत्तर गूगल गुरु या इसी तरह के प्लेटफार्म का सहारा लेकर तत्काल दे देंगे। हांलाकि सूचनाओं का संजाल जिस तरह से इंटरनेट प्लेटफार्म पर उपलब्ध है निश्चित रुप से वह आगे बढ़ाने में सहायक है पर आज की पीढ़ी उसी तक सीमित रहने में विश्वास करने लगी है। जिस तरह से एक समय परीक्षाएं पास करने के लिए वन डे सीरिज का दौर चला था ठीक उसी तरह से किसी भी समस्या का हल, किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट को खंगालना आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में एक नहीं अनेक लिंक मिल जाते हैं और कई बार तो समस्या यहां तक हो जाती है कि इसमें कौनसा लिंक अधिक सटीक है। दर असल इस तरह की जानकारी से तर्क क्षमता के विकास या विश्लेषक की भूमिका नगन्य हो जाती है। समझ में यह भी आ जाता है कि नेट पर इतनी जानकारी है तो फिर किताबों के पन्ने पलटने से क्या लाभ? इसका एक दुष्परिणाम किताबों से दूरी को लेकर साफ साफ देखा जा सकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल ने आज की पीढ़ी को शार्टकट की जिंदगी जीना सिखा दिया है। आज का युवा कट पेस्ट के सहारे अपना काम चला रहा है। कोई जानकारी लेनी है तो सीधा गूगल गुरु की शरण में जाता है और एक ही प्रश्न से संबंधित सामग्री के अनेक स्रोत देख कर वह अपनी सुविधा के अनुसार जो उसे सही लगता है कट किया और उसके बाद पेस्ट करके अपना काम

पूरा कर लेता है। यह सब चिंतनीय इसलिए है कि सालाना माड्यूलर सर्वेक्षण 2024 में यह सामने आया है कि डेटा, सूचना, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को पेस्ट कर इतिश्री कर लिया जाता है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्तराखण्ड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखण्ड के करीब 66 फीसदी युवा कॉपी पेस्ट के सहारे काम चला रहे हैं। उत्तराखण्ड के पीछे पीछे ही बिहार के युवा हैं और बिहार के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहे हैं। उत्तरप्रदेश के युवाओं के हालात भी कमोबेस यही है और उत्तरप्रदेश के 56 फीसदी युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं। कमोबेस यह हालात भारत ही नहीं आज की तारीख में दुनिया के अधिकांश देशों में आम होती जा रही है। तकनीक के उपयोग में कोई बुराई नहीं हैं अपितु तकनीक के उपयोग में आगे रहना समय की मांग होती है। पर बौद्धिक विकास या तार्किकता की पहली शर्त ही अध्ययन मनन होती है। सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। जब एक क्लिक में सामग्री मिल जाती है तो फिर पढ़ने-पढ़ाने की जहमत कौन उठाएं। कोरोना के कारण ऑनलाइन कक्षाओं का जो चलन चला था उसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया पर परोसी जाने वाली सामग्री में कितना सही है और क्या सही है यह तय करना जोखिम भरा काम है। परिवारों के हालात यह होते जा रहे हैं कि किताब तो दूर होती जा रही है और क्या बच्चे और क्या बड़े सब मोबाइल पर लगे रहते हैं और आपसी संवाद करने की भी फुर्सत नहीं होती। एकाकीपन बढ़ता जा रहा है। सामाजिकता तो लगभग समाप्त ही होती जा रही है। सोशियल मीडिया में शार्टकट मैसेजों का चलन इस कदर बढ़ गया है कि कई बार तो शार्टकट मैसेज को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। अब 2025 की ही बात ले तो सोशियल मीडिया पर डब्लूटीएफ का चलन जोरों से चल रहा है। डब्लूटीएफ का एक तो सीधा साधा अर्थ है क्या मजाक है। पर दूसरी और नए साल के बुधवार से आरंभ होने को लेकर डब्लूटीएफ का धडल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। डब्लूटीएफ के माध्यम से लोगों को डराया भी जा रहा है कि जिस तरह से 2020 में बुधवार से नए साल की शुरुआत हुई थी और उस साल कोरोना के भयावह दौर से गुजरना पड़ा। इस तरह से डब्लूटीएफ के माध्यम से कोरोना काल जैसी त्रासदी की संभावना से लोगों को डराया जा रहा है। अब जिस तरह के चीन से समाचार आ रहे हैं उनमें कितनी सचाई है यह तो दूर की बात है पर उससे दहसत का माहौल बनता जा रहा है। एक समय था जब बच्चों की कम्यूनिकेशन स्कील विकसित की जाती थी। अब सोशियल मीडिया के इस जमाने में कम्यूनिकेशन स्कील तो दूर की बात शार्ट कट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। खास यह कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सब कुछ मालूम है।

आने वाली पीढ़ी को गंभीर और चिंतनशील बनाना है तो उसे कट पेस्ट के दुनिया से बाहर लाना ही होगा। कहा जाता है कि जितना अधिक अध्ययन मनन होता है व्यक्ति उतना ही निखर कर आता है। जब इंटरनेट की दुनिया में जो जानकारियां हैं उन्हीं का उपयोग किया जाता है तो ऐसी हालत में चिंतन, मनन, तक-वितर्क, वैचारिक परिपक्वता, शोध आदि की कल्पना करना अपने आप में गलत होगा। ऐसे में तकनीक का उपयोग सहजता के लिए किया जाना तो उचित है पर तकनीक के नाम पर केवल शार्ट कट या कॉपी पेस्ट तक सीमित होना अपने आप में गंभीर चिंता का कारण बन जाता है। शिक्षाविदों को इस पर गंभीर चिंतन करना होगा।

सीएमएचओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बैतूल बाजार एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र नाहिया का किया निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रविकांत उइके ने मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बैतूल बाजार एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र नाहिया का निरीक्षण किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बैतूल बाजार में प्रसव

कक्ष के निरीक्षण के दौरान स्वच्छता रखने हेतु एवं भोजन व्यवस्था में सुधार करने के डॉ अमित पवार चिकित्सा अधिकारी एवं उपस्थित स्टाफ को निर्देश दिये। डॉ उइके ने भर्ती प्रसूता महिला को 1000 रूपए पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रदान किये। आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र नाहिया के निरीक्षण के दौरान राशि बारपेट सीएचओ एवं सरोज चैहान को ग्राम की आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी के साथ घर-घर भ्रमण कर आयुष्मान कार्ड की शत प्रतिशत उपलब्धि करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान श्री शेखर हारोडे एनएमए उपस्थित रहे।

सीपीसीटी परीक्षा 11 और 12 जनवरी को आयोजित होगी

बैतूल। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन (एमपीएसईडीसी) से प्राप्त जानकारी अनुसार 29, 30 नवंबर और 1 दिसम्बर 2024 को तकनीकी कारणों से रद्द की गई सीपीसीटी (कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेशन टेस्ट) परीक्षा आगामी 11 और 12 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में केवल वही परीक्षार्थी शामिल हो सकते है, जिन्होंने 29, 30 नवंबर और 1 दिसम्बर की परीक्षा के लिए पूर्व में आवेदन किया था। परीक्षार्थी अपने प्रवेश पत्र सीपीसीटी पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं।

जनकल्याण शिविरों में पशुपालक अपने पशुओं का कराएं बीमा

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी के निर्देशानुसार बैतूल जिले में आयोजित किये जा रहे जनकल्याण शिविरों में पशुधन बीमा किया जाना है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉ विजय पाटील ने बताया कि वर्तमान में मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के साथ हुए अनुबंध के तहत आईसीआईसीआई लोम्बार्ड बीमा कम्पनी द्वारा पशुधन बीमा का कार्य किया जा रहा है। पशुपालक अपने पशुओं का बीमा 1, 2 अथवा तीन वर्षों के लिए करवा सकते हैं। जिनकी प्रीमियम दरें क्रमशः 3.72 प्रतिशत, 7.35 प्रतिशत एवं 9 प्रतिशत हैं। उक्त पशुधन बीमा योजना अंतर्गत सभी वर्ग के पशुपालकों को बीमा प्रीमियम का मात्र 15 प्रतिशत देय होगा। शेष 85 प्रतिशत प्रीमियम शासन द्वारा अनुदान के माध्यम से दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में आयोजित जनकल्याण शिविरों में बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी पशुओं का बीमा करने का कार्य करेंगे। पशुपालक अपने पशु बीमा कराकर आर्थिक सुरक्षा, रिस्क प्रबंधन कर सकते है। डॉ.पाटील ने बैतूल जिले के समस्त पशुपालकों से पशुधन बीमा योजना का लाभ लेने की अपील की है।

मोरंड और चारसी में हुआ जनकल्याण शिविर का आयोजन

ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान, खसरे की नकल का वितरण

बैतूल। प्रभात पट्टन ब्लॉक के ग्राम पंचायत मोरंड और ग्राम पंचायत चारसी में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े ने मां सरस्वती के छायाचित्र की पूजा-अर्चना कर किया। ग्राम पंचायत मोरंड के वार्ड क्रमांक 1 के ग्रामीणों ने पानी की

समस्या को लेकर जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े को अवगत कराया। उन्होंने तुरंत पीएचई विभाग के इंजीनियर और जनपद पंचायत प्रभात पट्टन के सीईओ से फोन पर बात कर समस्या की जानकारी दी। अधिकारियों ने समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि स्कूल भवन क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे बच्चों को बैठने में परेशानी हो रही है। शिविर में ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड और आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। मोरंड निवासी नजरसिंह धुर्वे को गंभीर बीमारी से ठीक होने के बाद पोषण आहार किट प्रदान की गई। ग्राम पंचायत चारसी में खसरे की नकल का वितरण किया गया।

मौसम में हो रहे बदलाव का लोगों की सेहत पर पड़ रहा असर, 500 के पार जिला अस्पताल की पहुंची ओपीडी

जिले में खांसी, जुकाम, बदन दर्द और वायरल फीवर के बढ़े मरीज

संजय द्विवेदी, बैतूल। मौसम में लगातार बदलाव आ रहा है। दिन में शीतलहर चल रही है दिन में कभी धूप तो वहीं सुबह-शाम और रात के समय ठंड का व्यापक असर दिखाई पड़ रहा है। जिसका सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है। डॉक्टरों की मानें, तो इस समय दोपहर में धूप खिलने के साथ-साथ शाम को शीतलहर का प्रकोप भी लोगों को झेलना पड़ रहा है। जिसकी वजह से लोग बदन दर्द, सर्दी, जुखाम, खांसी, गले में खराश और बुखार के साथ हाई बीपी जैसी बीमारियों से ग्रसित हो रहे है। हर उम्र के लोगों को यह शिकायत हो रही है। बता दे कि मंगलवार रात का पारा कम रहने के साथ-साथ दिन का पारा भी शीतलहरों के कारण 4 डिग्री गिरकर 23.0 पर पहुंच गया है। मंगलवार रात का तापमान भी शीतलहर चलने के कारण और गिरने की संभावना है। तापमान में गिरावट से लोगों के स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ने लगा है। कुछ लोग ने सर्द-गर्म मौसम से बचने के लिए सुबह और शाम के वक्त गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे है, लेकिन जो लोग इसमें लापरवाही बरत रहे है, मौसमी बीमारी की चपेट में आ रहे है। हालात यह है कि हर तीन चार परिवारों के बीच कोई न कोई प्रभावित मिल रहा है। इसके साथ ही हाई बीपी के मरीज जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। इन बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली प्रचलित दवाओं की मांग भी ज्यादा बढ़ गई है।

500 के पार पहुंची ओपीडी- जिला अस्पताल की रोजाना ओपीडी 500 से 600 के पार पहुंच गई है। रोजाना अस्पताल में सर्दी, बुखार व खांसी के मरीज पहुंच रहे है। यहीं हाल आयुर्वेदिक अस्पताल के अलावा

प्राइवेट क्लीनिकों का भी है, यहां भी मरीजों की लंबी-लंबी कतारें लग रही। अस्पताल पहुंचने वाले सर्दी, सांखी, बुखार, बदन दर्द, सिर दर्द, हाथ पैर दर्द के मरीजों में सबसे अधिक वृद्ध मरीजों की थी, जबकि वयस्कों की तुलना में बच्चे भी अधिक मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहें है। अस्पताल के पंजीकरण काउंटर पर पर्चा कटवाने के लिए लोग लाइन में लग रहे, तो वहीं ओपीडी में इलाज कराने के लिए चिकित्सकों के पास भी मरीजों की लंबी-लंबी कतारें लग रही है। दूर-दराज से लेकर शहरी क्षेत्र के लोग सर्दी, खांसी, बुखार, सिर दर्द व बदन दर्द से परेशान होकर अस्पताल पहुंचकर इलाज करा रहे है।

ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा प्रभाव- शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में सर्दी, जुकाम, बुखार से प्रभावितों लोगों की संख्या बढ़ी है। जिस परिवार का एक सदस्य इससे प्रभावित हुआ है, तो उसके बाद एक-एक कर परिवार के दूसरे सदस्य भी संक्रमण की गिरफ्त में आ जाते हैं। पीड़ित व्यक्ति को ठीक होने में कम से कम एक सप्ताह का समय लग रहा है। जैसे ही परिवार का एक सदस्य ठीक होता है, दूसरा उसके प्रभाव में आ जाता है। इसके अतिरिक्त ठंड के कारण हाई बीपी के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। जिला अस्पताल में प्रतिदिन कई मरीज इसके उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि ज्यादा ठंड की वजह से खून गाढ़ा होने लगता है। जिससे मरीजों की बीपी बढ़ने का खतरा बना रहता है।

बच्चों में सबसे ज्यादा असर- जिला अस्पताल के सिविल सर्जन एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जगदीश घोरे ने बताया कि ठंड का सबसे ज्यादा असर बच्चों एवं बुजूर्गो पर दिख रहा है। इसलिए उनका सर्दी से बचाव जरूरी है। ऐसी चीजें खाने को न दें, जो कि सर्दी खांसी को बढ़ाने में सहायक बने। बच्चों को थोड़ा बुखार या सर्दी होने पर तत्काल किसी नजदीकी डॉक्टर को दिखाएं। इसमें लापरवाही न करें। उन्होंने उम्र दराज हो रहे लोगों का भी विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है, क्योंकि ठंड से खून गाढ़ा होता है, जिससे बीपी बढ़ता है। इसलिए उनको ठंड के दौरान बाहर न निकलने दें। गर्म वातावरण में रखें। गर्म कपड़े पहनाकर ही रखे। संभव हो तो गुनगुना पानी ही पिलाये। घर का भोजन दे और ठंडी चीजें देने से बचे।

इनका कहना -

मौसम में परिवर्तन की वजह से सर्दी-जुकाम, खांसी और बीपी बढ़ने के मरीजों की बढ़ गई है। इस मौसम में लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। बुखार सहित अन्य बीमारियों से ग्रसित होने पर चिकित्सकों की सलाह लेकर ही दवाओं का सेवन करे।

- डॉ. जगदीश घोरे,
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल बैतूल

हर वर्ग की तरक्की के लिए काम कर रहे हैं पीएम व सीएम : हेमंत खंडेलवाल

सामुदायिक भवन बनने से सामाजिक - धार्मिक कामों में होगी सुलभता

बैतूल। विधानसभा क्षेत्र बैतूल के विधायक हेमंत खंडेलवाल नें कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हर वर्ग की तरक्की एवं खुशहाली के लिए काम कर रहे है। उन्होनें कहा कि केन्द्र और मध्यप्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जन-जन को स्वास्थ,शिक्षा, सिंचाई, सड़क, आवास,बिजली ,पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं मिल रही है। अब सरकारों का फोकस रोजगार पर है। जिसके लिए तेजी से औद्योगीकरण किया जा रहा है। बैतूल जिले में भी उद्योग शुरू हो रहे है। जिससे बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा।

बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल ने उक्त बातें 7 जनवरी को आठनेर नगर मंडल के भ्रमण के दौरान विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि पांडोल, राबडया, धामोरी, ठानी, गुजरमाल ग्रामों में मुख्यमंत्री विशेष निधी से 15-15 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत हुए सामुदायिक भवनों का निर्माण होनें से उक्त ग्रामों में सामाजिक,धार्मिक सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन में सुलभता होगी।

उच्च गुणवत्ता के बने सामुदायिक भवन

बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने मंगलवार को आठनेर विकासखंड में मुख्यमंत्री विशेष निधि से स्वीकृत 85 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमें पांडोल, राबडया, धामोरी, ठानी गुजरमाल ग्रामों में 15-15 लाख रुपये की लागत के सामुदायिक भवनों एवं ठानी ग्राम में 25 लाख रुपये का नहर सीमेंटीकरण कार्य शामिल है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों, सरपंच, सचिवों अधिकारियों से संवाद के दौरान बैतूल विधायक ने कहा कि सामुदायिक भवनों का निर्माण उच्च गुणवत्ता का किया जाए। साथ ही सामुदायिक भवनों में बाउंड्री वॉल, पार्किंग, पार्क की व्यवस्था भी की जाए, जिससे वे सर्वसुविधायुक्त हो सकें। उन्होंने ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों को कहा कि वे निर्माण कार्यों की मॉनीटिंटिंग करें। ग्राम पंयायत उमरी के पांडोल ग्राम में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमिदान देनें वाल स्व.साहबलाल राठौर के नाती जितेन्द्र राठौर को बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया। भूमिपूजन कार्यक्रमों में भाजपा जिला कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी, आठनेर नगर मंडल अध्यक्ष गोवर्धन राने, मनोज जगताप, नप उपाध्यक्ष विनय जीतपुरे, जनपद उपाध्यक्ष रेखा सोलंकी, जनपद सदस्य शोभा मानकर, सरपंच भूरालाल पंद्राम, उपसंरपच मारूती वाड़ेकर, सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधी ग्रामीण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूनतम वेतन और स्थायीकरण की मांग को लेकर सैकड़ों कर्मचारियों ने निकाली रैली, सौंपा ज्ञापन

चतुर्थ श्रेणी पद पर स्थायीकरण की मांग

बैतूल। ग्राम पंचायतों, स्कूलों, और छात्रावासों में काम करने वाले चौकीदार, पंप ऑपरेटर, भृत्य और सफाईकर्मियों ने न्यूनतम वेतन और स्थायीकरण की मांग को लेकर मंगलवार 7 जनवरी को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकाली। आउटसोर्स, अस्थाई, और अंशकालीन कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, मध्य प्रदेश के नेतृत्व में ये कर्मचारी मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने पहुंचे। प्रदेश की 23 हजार ग्राम पंचायतों में लाखों की संख्या में चौकीदार, भृत्य, पंप ऑपरेटर, और सफाईकर्मी वर्षों से काम कर रहे हैं। इनमें से कई कर्मचारी पिछले 10 से 20 सालों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि पंचायत भवनों की सुरक्षा, साफ-सफाई, नल-जल योजना का संचालन, और हितग्राहियों की व्यवस्थाएं इन्हीं के भरोसे चलती हैं, लेकिन इन्हें मात्र 2 हजार से 3 हजार रुपये तक वेतन मिलता है। श्रम विभाग के आदेश के बावजूद इन कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन, पीएफ, और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। ये कर्मचारी सरपंच और सचिव की मनमानी के शिकार हैं। कई पंचायतों से शिकायतें आई हैं कि इनसे व्यक्तिगत काम जैसे जानवर चराने और घर की सफाई कराई जाती है। संगठन ने मांग की है कि इन सभी कर्मचारियों को पंचायत विभाग के चतुर्थ श्रेणी पद पर स्थायी किया जाए। इन्हें शासन द्वारा तय न्यूनतम वेतन दिलाया जाए, जिससे ये अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। साथ ही, कर्मचारियों को ड्रेस उपलब्ध कराने और सेवानिवृत्ति पर 5 लाख रुपये देने की मांग भी रखी गई। गौरतलब है कि 7 जनवरी को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर रैली निकाली गई, जिसमें हजारों कर्मचारी शामिल हुए। रैली के दौरान जोरदार नारेबाजी करते हुए कर्मचारियों ने अपनी आवाज बुलंद की। ज्ञापन में श्रमायुक्त, मध्य प्रदेश द्वारा 12 दिसंबर को जारी पत्र का भी उल्लेख किया गया, जिसमें इन कर्मचारियों के अधिकार सुनिश्चित करने की बात कही गई है। संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी है कि अगर कर्मचारियों की मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा। संगठन ने सभी कर्मचारियों से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने की अपील की है।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने 113 आवेदनों पर की जनसुनवाई

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में मुलताई निवासी दीपिका ने बैतूल के ग्राम खेड़ीसावलीगढ़ में स्थित भूमि में अंश अनुसार फौती दर्ज किए जाने संबंधी आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नायब तहसीलदार खेड़ीसावलीगढ़ को त्रुटि कर्ताओं के विरूद्ध कार्यवाही कर आवेदिका की समस्या का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। बैतूल तहसील के ग्राम कुम्हारिया निवासी शिवपाल नारे ने जनसुनवाई में भूमि का मुआवजा नहीं मिलने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। प्रभातपट्टन तहसील के ग्राम घाटबिरोली निवासी दिगंबर पोटफोड़े ने आवेदन के माध्यम से कृषि भूमि पर अनावेदकों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नायब तहसीलदार को प्रकरण का निराकरण किए जाने के निर्देश प्रदान किए। जनसुनवाई में शिवसेना द्वारा आवेदन के माध्यम से गंज शराब दुकान में अवैध रूप से विक्रय किए जाने संबंधी शिकायत की, जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए है। जनसुनवाई में कुल 113 आवेदन प्राप्त हुए।

सात सालों से बाधित मार्ग, परेशान ग्रामीणों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/भौंरा। ग्राम पंचायत बटकीडोह के विष्णुपुर में सात साल पहले तालाब निर्माण के दौरान रोड साइड बेस्टियर बनाए जाने से ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। तालाब निर्माण के समय निर्धारित जगह पर खुदाई के दौरान पत्थर आने के कारण पंचायत ने बेस्टियर का निर्माण सडक के किनारे ही करवा दिया। यह अस्थायी समाधान ग्रामीणों के लिए स्थायी परेशानी बन गया है, और तब से लेकर अब तक यह समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि बेस्टियर का निर्माण तालाब के पानी की निकासी के लिए किया गया था, लेकिन इसे सडक़ के किनारे और अनियंत्रित स्थान पर बना दिया गया। इसके चलते विष्णुपुर और आसपास के 10 से 12 गांवों के लोगों का आवागमन बाधित हो गया। यह मार्ग घोड़ाडोंगरी से सातलदेही को जोड़ता है और सैकड़ों लोग रोजाना इस पर निर्भर हैं। ग्रामीण हरिहर दास,सुमंत मंडल. आलोक विश्वास, कृष्ण पद मंडल, फनीभूषण मंडल ने कहा, निर्धारित स्थान पर बेस्टियर नहीं बनने के कारण सडक़ किनारे अस्थायी बेस्टियर बनाया गया, जिससे यह समस्या पैदा हुई। यह मार्ग हमारे गांवों के लिए मुख्य संपर्क साधन है, और इसे बार-बार अनदेखा किया गया। वहीं परिमल मंडल, देबू विश्वास, अशोक विश्वास ने कहा कि पिछले सात सालों से हम इस समस्या का सामना कर रहे हैं। लंबा रास्ता तय करने के कारण समय और श्रम दोनों की बर्बादी हो रही है। पंचायत ने कभी इसे ठीक करने की कोशिश नहीं की।

ग्रामीणों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन - इस लंबे समय से चल रही समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने सोमवार को विधायक गंगा सज्जन उइके को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि वर्तमान बेस्टियर को हटाकर तालाब की दूसरी दिशा में बेस्टियर बनाया जाए, ताकि आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। विधायक गंगा सज्जन उइके ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनका मुद्दा प्राथमिकता से सुलझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं जल्द ही संबंधित अधिकारियों से बात कर सुनिश्चित करेंगे कि वैकल्पिक बेस्टियर का निर्माण सही जगह पर किया जाए। ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करने दिया जाएगा।

इनका कहना है-

तालाब निर्माण के समय निर्धारित जगह पर खुदाई के दौरान पत्थर आने के कारण पंचायत ने बेस्टियर का निर्माण सडक़ के किनारे करवा दिया। यह रोड के साइड में नदी के कारण हमेशा आवा गमन में परेशानी होती है। पैदल यात्री अभी भी आसानी से रोड पर कर रहे हैं।

- विपुल मंडल, सरपंच, ग्राम पंचायत बटकीडोह

मुझे इस समस्या की जानकारी आपके माध्यम से ही प्राप्त हुई है। पहले मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं थी। मैं कल ही संबंधित इंजीनियर को मौके पर भेजकर इसकी जांच करवा लूंगा। जांच के पश्चात ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इस मामले में आगे क्या कदम उठाए जा सकते हैं।

- संजीव श्रीवास्तव, सीईओ, जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी

मलेशिया ट्रिप के बहाने यात्रियों से लगभग चार लाख रुपए की ठगी

बैतूल नागपुर के 11 यात्रियों ने एसपी से की धोखाधड़ी की शिकायत

बैतूल। टूरिज्म की आड़ में धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मलेशिया ट्रिप के बहाने यात्रियों से लगभग चार लाख रुपए की अवैध वसूली की गई। इस मामले में नागपुर, बैतूल, पाथाखेड़ा और सारणी के 11 यात्रियों ने बैतूल पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। यात्रियों ने बताया कि फर्जी कंपनी द्वारा विदेश टूर के दौरान पूरी सुविधा देने का वादा किया गया था, लेकिन इसके विपरीत टूर के दौरान उनसे जबरन पैसे वसूले गए और विदेश में उन्हें भूखा-प्यासा रखा गया। मामले में आवेदक गीता चौकीकर, ललिता पाटील, बलवंत पाटिल, रमेश भूमरकर, कमल घोघरकर, आशा चौकीकर, नारायण चौकीकर, अनीता मालती, जगदीश लोखंडे और हेमलता लोखंडे ने शिकायत की है। इन सभी ने ग्राम जामठी निवासी महेश चौरासे पर आरोप लगाया है कि उसने अपनी कंपनी टूर एंड ट्रेवल्स के माध्यम से उन्हें मलेशिया ट्रिप का प्रलोभन दिया। यात्रियों ने बताया कि टूर प्लान दिल्ली से सिंगापुर, मलेशिया

और इंडोनेशिया होते हुए मुंबई से वापस बैतूल लौटने का था। इसके लिए महेश ने पहले ही पूरी राशि ले ली थी। लेकिन चेन्नई पहुंचने पर उसने बताया कि फ्लाइट छूट गई है, जबकि उसने फ्लाइट बुक ही नहीं की थी। इसके बाद उसने यात्रियों से 10-10 हजार रुपए और वीजा के नाम पर 3,500 रुपए प्रति व्यक्ति से वसूले। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मलेशिया पहुंचने के बाद महेश ने यात्रियों को उनकी मूल योजना के विपरीत टूर में शामिल किया और खाने-पीने की सुविधा भी उपलब्ध नहीं कराई। उन्होंने बताया कि वहां मजबूरी का फायदा उठाते हुए उनसे बार-बार पैसे वसूले गए।

लिखित आश्वासन के बावजूद नहीं लौटाए पैसे- यात्रियों ने बताया कि महेश चौरासे ने 27 नवंबर 2024 को लिखित में पैसे लौटाने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई राशि वापस नहीं हुई। यात्रियों का कहना है कि महेश की इस धोखाधड़ी से उन्हें मानसिक और आर्थिक क्षति हुई है। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि महेश चौरासे की फर्जी टूरिज्म कंपनी, जिसका कार्यालय बैतूल के खत्री निवास राठी अस्पताल के पास है, इसको बंद कराया जाए। साथ ही, उनके साथ हुई ठगी का प्रतिकर दिलाया जाए। यात्रियों ने यह भी मांग की है कि अन्य लोग इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार न हों, इसके लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

भोपाल मंडल के 9 स्टेशनों पर 'किलाबंदी' टिकट चेकिंग

भोपाल। रानी कमलापति,संत हिरदाराम नगर, गुना,बीना,इटारसी, हरदा,विदिशा,नर्मदापुरम स्टेशनों पर चला अभियान अनियमित एवं बिना टिकट यात्रा करते 1195 यात्री पकड़ कर, रूपये 632980/- का जुर्माना वसूला गया। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन में भोपाल मंडल द्वारा अधिकृत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने तथा रेल राजस्व में वृद्धि करने हेतु सतत प्रयास किये जा रहे है।

इसी क्रम में आज दिनांक 07.01.225 को भोपाल मंडल के नौ स्टेशनों जैसे भोपाल,रानी कमलापति,संत हिरदाराम नगर, गुना, बीना, इटारसी, हरदा,विदिशा, नर्मदापुरम स्टेशनों पर एक साथ सुबह 06 बजे से दोपहर 02 बजे तक वाणिज्य विभाग के 10 पर्यवेक्षक ,107 टिकट चेकिंग स्टाफ के सहयोग से किलाबन्दी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। पर्यवेक्षक टिकट चेकिंग स्टॉफ की निगरानी में चलाये गए इस टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन के बाहर निकलने वाले रास्ते की घेराबंदी की गई, ताकि कोई भी यात्री बिना जाँच के स्टेशन के बाहर न जा सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की अध्यक्षता में

राज्य एसिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एवं सरोगेसी बोर्ड की बैठक संपन्न

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में मंत्रालय भोपाल में राज्य एसिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एवं सरोगेसी बोर्ड की बैठक संपन्न हुई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा की। राज्य एसिस्टेडेड रिप्रोडक्टिव टैक्नोलॉजी एवं सरोगेसी बोर्ड द्वारा राज्य स्तर पर आवेदित सरोगसी प्रकरणों पर समुचित विचार कर यथोचित निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि राज्य एसिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एवं सरोगसी बोर्ड की बैठक स्थापित प्रावधान अनुसार प्रत्येक चार माह में की जाती है। निसंतान दंपतियों की सुविधा एवं विनियामक प्रावधान को दृष्टिगत रखते हुए राज्य समुचित प्राधिकारी एआरटी एवं सरोगेसी के गठन के आदेश दिए गए। यह समिति सरोगेसी आवेदन राज्य स्तर पर प्राप्त होते ही तकनीकि व विधिक विशेषज्ञो का अभिमत प्राप्त कर, सरोगेसी की अनुमति के समुचित निर्णय लेने के लिये सक्षम होगी। बैठक में विधानसभा सदस्य श्रीमती प्रियंका मीणा, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, संचालक एमसीएच डॉ. अरुणा कुमार, वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. प्रज्ञा तिवारी सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ शामिल रहे।

सांवेर में आयोजित जय संविधान सम्मान यात्रा में शामिल हुये जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी आज सांवेर के पाल कांकरिया ग्राम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर जी के सम्मान की रक्षा के लिए निकाली जा रही जय संविधान सम्मान यात्रा में शामिल हुये।

श्री पटवारी ने जय संविधान सम्मान यात्रा को संबोधित करते हुये कहा कि देश और प्रदेश की सत्ता में बैठे लोगों द्वारा संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। बाबा साहेब द्वारा निर्मित देश का संविधान आज खतरे में है, आरक्षण खतरे में है। भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश में संविधान का अपमान किया है। जिस संविधान की शपथ लेकर भाजपा नेता सरकार में संवैधानिक पद पर बैठे हैं उसी संविधान का अपमान कर भाजपा के नेताओं, कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्तियां तोड़ने, उनके चित्रों को फाड़ने और जलाने की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। कांग्रेस बाबा साहब अंबेडकर के अपमान को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता रीना बोरासी सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। वहीं एक बयान में श्री पटवारी ने मप्र के कई मंत्रियों नेताओं को त्रिशूल कंपनी की ओर से प्लाट दिये जाने और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री की जमीन को लेकर सबूत पेश किये। उन्होंने कहा कि मोहन यादव सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को क्या सेंट्रल पार्क में जमीन गिफ्ट में मिली, क्या कर चोरी कर कुणाल बिल्डर्सको फायदा पहुंचाया गया, क्या मंत्री भूपेन्द्र सिंह के नगरीय प्रशासन मंत्री रहते हुये सेंटल पार्क का प्लॉट गिफट में मिला, क्या इसलिए नियमों को दरकिनार कर परमिशन दी गई। मुख्यमंत्री जी जवाब दो हिसाब दो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी पर्ची बहुत महंगी है।

मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय युवा उत्सव समापन समारोह में नयी योजना करेंगे लॉंच

भोपाल। खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत-2047 विजन एवं 'ज्ञान' पर ध्यान के साथ गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी का सूत्र दिया है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसी प्रेरणा के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विगत एक वर्ष में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा कल्याण अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में चरणबद्ध रूप से 28वां राष्ट्रीय युवा उत्सव आयोजित किया जा रहा है।देश में सर्वाधिक म.प्र. के युवाओं की प्रतिभागिता- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि विकसित भारत-2047 के विज़न में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डॉयलॉग' का मंच प्रदान किया है। इसमें चयनित युवा प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ भेंट कर राष्ट्र की प्रगति के लिए नये विचार रखेंगे। प्रथम चरण में 'डिजिटल क्विज' 25 नवंबर से 10 दिसंबर, 2024 तक माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन किया गया है। इसमें देश में मध्यप्रदेश के सर्वाधिक 1.79 लाख युवाओं द्वारा सहभागिता की गई। द्वितीय चरण में निबंध लेखन प्रतियोगिता में 10 टॉपिक पर ऑनलाईन कुल 1986 निबंध प्राप्त हुए। प्रत्येक टॉपिक से 25 प्रतिभागियों सहित कुल 250 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। तृतीय चरण में द्वितीय चरण के चयनित 250 युवाओं द्वारा राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में 10 टॉपिक पर प्रेजेंटेशन किया गया। इसमें 45 प्रतिभागी चयनित किए गए।

भोपाल में हर आयोजन के लिए पुलिस की परमिशन अनिवार्य

कमिश्नर ने जारी किया आदेश, नुकसान के लिए आयोजक होंगे जिम्मेदार

भोपाल (नप्र)। पुलिस कमिश्नर भोपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब हर कार्यक्रम की जानकारी पुलिस को देनी होगी। इसके लिए अनुमति भी अनिवार्य रूप से लेना होगी।

आदेश में लिखा है कि भोपाल नगरीय क्षेत्र में विभिन्न समुदाय, संगठन, राजनैतिक दलों, समिति, प्रतिनिधि मंडल एवं आयोजकों द्वारा अपनी मांगों को लेकर, त्योहारों पर एवं सामाजिक कार्यक्रमों जैसे धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, जुलूस , रैली, आम सभा, पुतला दहन, पद यात्रा, रथ यात्रा, कार्यालय, निवास व शासकीय भवन का घेराव ज्ञापन आदि कार्यक्रम किए जाते हैं।

ऐसे कार्यक्रम सार्वजनिक स्थानों पर किए जाते हैं। जिनमें पुलिस एवं यातायात की समुचित व्यवस्था होना अनिवार्य हो जाता है। ताकि आम नागरिकों के सामान्य जन-जीवन पर कोई असर न हो। किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी प्रकार की हिंसक गतिविधि या सार्वजनिक संपत्ति को क्षति न पहुंचाई जा सके। ऐसे कार्यक्रमों की पूर्व सूचना पुलिस विभाग को होना आवश्यक है। ताकि उसके सुव्यवस्थित संपादन के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 163 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है।

नहीं तो की जाएगी कार्रवाई- समस्त प्रकार के आयोजनों जैसे- धरना, प्रदर्शन, आंदोलन आदि के आयोजन के लिए पुलिस उपायुक्त, आसूचना एवं सुरक्षा, नगरीय पुलिस भोपाल से अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। बिना अनुमति के आयोजनों में आयोजकों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही ऐसे कार्यक्रमों में अव्यवस्था एवं कानून व्यवस्था के दौरान होने वाली क्षति/क्षतियों की जिम्मेदारी भी आयोजकों की होगी।

धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध कोई भाषण नहीं- आदेश के अनुसार भोपाल शहर की सीमा के अंदर किसी भी समुदाय के व्यक्ति द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं के विपरीत कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। न ही दूसरे समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला भाषण दिया जाएगा। अनुमति पत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा।

एम्स भोपाल के डॉ. प्रतीक बेहरा को पीओएसआई द्वारा प्रोफेसर केई ई. विल्किंस फेलोशिप

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। प्रो. सिंह से प्रेरित होकर संकाय सदस्य विभिन्न शोध कार्यों में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के ऑर्थोपेडिक्स विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. प्रतीक बेहरा को भारतीय पैडीट्रिक ऑर्थोपेडिक सोसाइटी (पीओएसआई) द्वारा वर्ष 2024 के लिए 'प्रोफेसर केई ई. विल्किंस फेलोशिप' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें अहमदाबाद में संपन्न हुए पॉसिकॉन 2025 में प्रदान किया गया। प्रोफेसर केई ई. विल्किंस फेलोशिप, टेक्सास (संयुक्त राज्य अमेरिका) के प्रसिद्ध पैडीट्रिक ऑर्थोपेडिक सर्जन प्रोफेसर केई ई. विल्किंस की स्मृति में स्थापित किया गया है।

प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह और ऑर्थोपेडिक्स विभाग के प्रमुख, डॉ. रेहान उल हक के प्रोत्साहन और समर्थन से डॉ. बेहरा ने इस फेलोशिप के लिए आवेदन किया और एक कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें चयनित किया गया। प्रो. सिंह ने इस फेलोशिप के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, इस फेलोशिप के दौरान डॉ. बेहरा द्वारा प्राप्त ज्ञान और कौशल ब्रेकियल प्लेक्सस बर्थ पाल्सी (बीपीबीपी) जैसे जटिल रोगों के उपचार में सुधार लाने में मदद करेगी। यह एम्स भोपाल के लिए गर्व का क्षण है और मैं डॉ. बेहरा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं। इस फेलोशिप के दौरान, डॉ. बेहरा ने भारत के एक प्रमुख केंद्र से ब्रेकियल प्लेक्सस बर्थ पाल्सी (बीपीबीपी) के प्रबंधन की बारीकियों को सीखा। इस ज्ञान प्राप्ति में बच्चों का नैदानिक मूल्यांकन, उपचार निर्णय लेना और बीपीबीपी से संबंधित विभिन्न शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं की जानकारी शामिल थी। इस अद्यतन ज्ञान से एम्स भोपाल में बीपीबीपी से पीड़ित बच्चों के उपचार में सुधार होगा, जिससे इस स्थिति से प्रभावित नवजात बच्चों के लिए बेहतर देखभाल और उपचार उपलब्ध हो सकेगा।

एम्स भोपाल के कार्डियोलॉजी विभाग ने एक बच्चे में दुर्लभ इंट्राहेपेटिक पोर्टोकैवल शंट का पहला सफल ट्रांसकैथेटर क्लोजर किया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने एक बार फिर चिकित्सा अनुसंधान, नवाचार और स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। हाल ही में, एम्स भोपाल के हृदय रोग विभाग ने दुर्लभ पोर्टोकैवल शंट का पहला सफल ट्रांसकैथेटर क्लोजर किया है, जो पोर्टल वेन और हेपेटिक वेन के बीच असामान्य रक्त वाहिकाओं के जुड़ाव से संबंधित है। यह मध्य भारत में अपनी तरह की पहली ट्रांसकैथेटर क्लोजर है। 9 वर्षीय बालक एम्स भोपाल में अपने दाहिने पैर की चोट के इलाज के लिए आया था, जिसमें डिब्राइडमेंट की

आवश्यकता थी। ऑपरेशन से पहले किए गए परीक्षणों में उसका ऑक्सीजन सैचुरेशन (SaO2) केवल 75त्न पाया गया और उसे नीलेपन की शिकायत थी। आगे के परीक्षण के लिए उसे हृदय रोग विभाग में भेजा गया। कार्डियोलॉजी विभाग के डॉ. भूषण शाह ने एक बबल कॉन्ट्रास्ट ईकोकार्डियोग्राफी अध्ययन किया, जिससे पल्मोनरी आर्टीरियोवीनस मालफॉर्मेशन (एवीएम) का पता चला। पेट के अल्ट्रासाउंड में लिवर में पोर्टोसिस्टमिक शंट की पुष्टि हुई। सीटी पल्मोनरी एंजियोग्राफी और कार्डियक सीटी ने डक्टस वेनोसस शंट की पुष्टि की। रोगी के उच्च अमोनिया स्तर, जो हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी और पोर्टल हाइपरटेंशन का संकेत थे, के कारण त्वरित हस्तक्षेप की आवश्यकता थी। डॉ. भूषण शाह के नेतृत्व में कार्डियोलॉजी टीम ने डक्टस वेनोसस शंट का ट्रांसकैथेटर क्लोजर करने की योजना बनाई। यह प्रक्रिया गर्दन की नस के माध्यम से की गई और इंट्राहेपेटिक डक्टस वेनोसस में निटिनोल डिवाइस को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। फॉलो-अप एंजियोग्राफी ने पुष्टि की कि कोई अवशिष्ट शंटिंग नहीं थी, और क्लोजर के बाद के फॉलो-अप में मरीज के अमोनिया के स्तर सामान्य हो गए।

एम्स भोपाल में 40वां आईआरआईए एमपी-स्टेट सम्मेलन 2024 सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, रेडियोलॉजी और इमेजिंग विभाग और आईआरआईए (एमपी) भोपाल सिटी चैप्टर द्वारा 40वां आईआरआईए एमपी-स्टेट सम्मेलन 2024 सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह दो दिवसीय सम्मेलन गाइनाकोलॉजिकल और ऑब्स्टेट्रिक इमेजिंग और एब्डोमिनल इमेजिंग पर

केंद्रित था। इस सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. राजेश मलिक (प्रोफेसर और हेड, रेडियोलॉजी विभाग) ने की और डॉ. राधा एस. गुप्ता (एडिशनल प्रोफेसर, रेडियोलॉजी विभाग) सचिव के रूप में शामिल हुईं।

सम्मेलन के पहले दिन, एब्डोमिनल इमेजिंग और ऑब्स्टेट्रिक एवं गाइनाकोलॉजिकल इमेजिंग से जुड़े अत्याधुनिक विषयों पर शैक्षिक सत्रों की एक श्रृंखला की शुरुआत की गई, जिसमें विशेषज्ञों ने रेडियोलॉजी के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके बाद, इमेज- गाइडेड बायोप्सी तकनीकों और ऑब्स्टेट्रिक डॉप्लर तकनीकों पर आधारित विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। सम्मेलन के दूसरे दिन भी उत्साहजनक गतिविधियाँ हुईं, जिसमें रेजिडेंट डॉक्टरों ने 30 से अधिक शोध पत्रों और 75 से अधिक ई-पोस्टर प्रस्तुत किए। इस दिन का प्रमुख आकर्षण इंटर-कॉलेज रेडियोलॉजी रेजिडेंट क्विज़ था, जिसमें मध्य प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों से 6 टीमों ने भाग लिया। यह क्विज़ प्रतिभागियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और बौद्धिक चर्चाओं का एक बेहतरीन मंच साबित हुआ।

उद्घाटन समारोह से पहले एम्स दिल्ली के रेडियोडायग्नोसिस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) राजू शर्मा ने प्रतिष्ठित डॉ. राम ऋषि व्याख्यान दिया। इसके बाद, प्रो. शर्मा को सम्मानित करते हुए कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने अपने संबोधन में सम्मेलन की गतिविधियों की सराहना की और रोगी देखभाल में बहु-विभागीय दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. सिंह ने कहा, 40वां आईआरआईए एमपी-स्टेट सम्मेलन ज्ञान

बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को बनायें आदर्श राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उपभोक्ताओं पर बगैर बोझ बढ़ाये सब्सिडी का भार करें कम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को आदर्श राज्य बनायें। ऐसी कार्य-योजना बनायें कि उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाये बगैर बिजली सब्सिडी का भार कम किया जा सके। उन्होंने यह निर्देश मंत्रालय में ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान दिये।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों के क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य को गति दें। इससे होने वाले लाभों के बारे में उपभोक्ताओं को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जले एवं खराब वितरण ट्रांसफार्मरों को समय-सीमा में बदला जाये।

जल्द स्वीकृत होगी संगठनात्मक संरचना-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिये सभी बिजली कम्पनियों की संगठनात्मक संरचना (ओ.एस.) का प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जल्द ही इसे स्वीकृत किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने की ऊर्जा विभाग की समीक्षा

30 लाख किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जायेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 30 लाख किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लक्ष्य को पूरा करने के लिये सुनियोजित कार्य-योजना बनायें। इसकी समय-सीमा तय होना चाहिये। इससे बिजली सब्सिडी में भी कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध करायें।ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ट्रांसफार्मर एवं बिजली लाइनों के मेंटीनेंस की कार्य-योजना बनाने और अवैध बस्तियों में रहने वाले लोगों को बिजली कनेक्शन देने की बात कही।

राजधानी दिल्ली में किसान परेशान हो रहे हैं, रो रहे हैं: कृषि मंत्री शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से संवाद के अपने नियमित कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिल्ली में सफदरजंग रोड स्थित अपने निवास स्थान पर दिल्ली राज्य के किसान संगठनों, किसान प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में आए किसान भाइयों-बहनों से चर्चा की। इस दौरान श्री चौहान ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि दिल्ली के किसानों से मिलने व चर्चा करने का अवसर मिला। किसानों ने कृषि मंत्री श्री चौहान को अनेक गंभीर समस्याएं बताई, तो वे द्रवित हो उठे और कहा कि राजधानी दिल्ली में किसान परेशान हो रहे हैं, रो रहे हैं। मैं दिल्ली के किसानों के हितों के लिए पूरी ताकत लगाऊंगा, किसानों का अधिकार दिलाकर रहूंगा। किसानों द्वारा बताए जाने पर श्री शिवराज सिंह ने इस बात पर दुःख जताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की किसानों के लिए लागू

अनेकानेक योजनाओं का लाभ दिल्ली राज्य सरकार के अंतर्गत किसानों को नहीं मिल पा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से बड़ी संख्या में दिल्ली के किसान मिलने पहुंचे तो उन्होंने राज्य सरकार से जुड़ी बहुत-सी परेशानियां बयां की। इस पर श्री शिवराज सिंह ने कहा कि उन्हें पहले भी दिल्ली के किसानों ने समस्याएं बताई थी, जिस पर उन्होंने तुरंत ही दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी जी को पत्र लिखा था। श्री चौहान ने कहा कि मेरा केवल उनसे हाथ जोड़कर इतना कहना है, मेरा स्वभाव नहीं है किसी को गाली देना, लेकिन मैं कह रहा हूं कि आप पत्र का जवाब दे दो, जवाब भी मत दो, बहन आतिशी जी, लेकिन भारत सरकार की किसान कल्याण की योजनाओं को आप दिल्ली के किसानों के लिए लागू कर दीजिए। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि मुझे गाली दो या दाउद कहो, उससे मुझे कोई अंतर नहीं पड़ता, लेकिन भारत सरकार की किसान कल्याण की योजनाएं तो दिल्ली के किसानों के लिए लागू करो, किसानों को योजनाओं का लाभ दे दो।

सिंहस्थ-2028 में उज्जैन और इंदौर संभाग गतिविधियों के मुख्य केंद्र रहेंगे : सीएम यादव

अधोसंरचनात्मक कार्यों की प्रगति की प्रत्येक 15 दिन में हो समीक्षा,रेलवे से समन्वय के उद्देश्य से विशेष सेल गठित करने के निर्देश दिए

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ-2028 में उज्जैन और इंदौर संभाग गतिविधियों के मुख्य केंद्र रहेंगे। इन संभागों में 2 ज्योतिर्लिंग होने से श्रद्धालुओं का आवागमन तथा धार्मिक गतिविधियां तुलनात्मक रूप से अधिक होंगी। इंदौर-उज्जैन संभाग में जारी विभिन्न विभागों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों, यह मॉनिटरिंग प्रत्येक 15 दिन में सुनिश्चित करें। सक्षम स्तर के अधिकारी बैठक कर, कार्यों की प्रगति की समीक्षा करें। ऐसे विषय जिन में उच्च स्तर से समन्वय या मार्गदर्शन आवश्यक है, वे विषय राज्य शासन के संज्ञान में लाए जाएं। निर्माण एजेंसियों को सौंपे गए कार्यों की साप्ताहिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित कर विलंब के कारणों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में हुई सिंहस्थ-2028 की मंत्रि-मंडलीय समिति की द्वितीय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उज्जैन तथा इंदौर जिलों में नवीन बस अड्डों के विकास के लिए दिए गए निर्देश-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधोसंरचना से संबंधित जिन कार्यों के निर्माण में अधिक समय लगना है, उन सब की मंत्रि-

मंडलीय समिति से स्वीकृति प्राप्त करने और निविदा प्रक्रिया पूर्ण करने का कार्य मार्च-2025 तक कर लिया जाए। जल प्रदाय, सीवरेज के कार्य तत्काल आरंभ किए जाएं। इसके साथ ही उज्जैन तथा इंदौर जिलों में बस अड्डों की क्षमता वृद्धि या नवीन बस अड्डों के विकास की कार्य योजना भी मार्च-2025 तक तैयार की जाए। सिंहस्थ-2028 के लिए समस्त विभागों के अधोसंरचनात्मक कार्यों की कार्य-योजना को सितंबर-2025 तक अंतिम रूप दिया जाए।

प्रयागराज कुंभ के साथ ही हरिद्वार कुंभ मॉडल का भी होगा अध्ययन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 की व्यवस्थाओं को श्रेष्ठतम स्वरूप देने के लिए प्रयागराज कुंभ के साथ ही हरिद्वार कुंभ मॉडल का अध्ययन भी किया जाएगा। प्रयागराज कुंभ पूर्ण होने के बाद वहां क्राउड मैनेजमेंट, ड्रोन सर्वे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग तथा अन्य गतिविधियों में लगी कंपनियों व स्टार्ट-अप का उज्जैन में सम्मेलन आयोजित कर वहां की बेस्ट प्रैक्टिसेस का क्रियान्वयन सिंहस्थ-2028 में करने की कार्य योजना बनाई जाएगी।

रेलवे से समन्वय के लिए विशेष सेल गठित किया जाए-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धालुओं के आवागमन में सुगमता के लिए रेलवे से समन्वय के उद्देश्य से विशेष सेल गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घाटों तक श्रद्धालुओं के आसानी से आवागमन के लिए उपयुक्त पहुंच मार्ग विकसित किए जाएं। उज्जैन, इंदौर और देवास में होने वाले निर्माण कार्यों में सीवरेज, स्वच्छता और हरियाली का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटकों की सुविधा की दृष्टि से धर्मशालाओं के उन्नयन के लिए भी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 को देखते हुए, आवश्यकतानुसार विभागों में प्रशासकीय संरचनाओं का विस्तार तत्काल किया जाए।

॥ मंदिरम् ॥ 06

रामप्पा मंदिर, वारंगल

इस मंदिर को रुद्रेश्वर (भगवान शिव) मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, दक्षिण भारत में तेलंगाना राज्य में स्थित एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। यह वारंगल से 66 कि.मी, मुलुगु से 15 कि.मी. हैदराबाद से 209 कि.मी की दूरी पर स्थित है। यह मुलुगु जिले के वेंकटपुर मंडल के पालमपेट गांव की घाटी में स्थित है। हालांकि अब यह एक छोटा सा गांव है लेकिन 13वीं और 14वीं शताब्दी के काल में इसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। मंदिर के परिसर में उपस्थित एक शिलालेख के अनुसार इसका निर्माण वर्ष1213 ईस्वी में काकतीय शासक गणपतिदेव के शासनकाल के दौरान उनके एक सेनापतिरेचारला रुद्र देव ने करवाया था। मंदिर एक शिवालय है, जहां भगवान रामलिंगेश्वर की पूजा की जाती है। कथित तौर पर, मार्कोपोलो ने काकतीय साम्राज्य की अपनी यात्रा के दौरान इस मंदिर को 'मंदिरों की आकाशगंगा का सबसे चमकीला तारा' कहा था। रामप्पा मंदिर 6 फुट ऊंचे तारे के आकार के चबूतरे पर भव्य रूप से खड़ा है। गर्भगृह के सामने के कक्ष में कई नक्काशीदार स्तंभ हैं जिनकी अवस्थितिइस प्रकार रखी गई है कियह मिलकर प्रकाश और अंतरिक्ष को अद्भुत रूप से जोड़ने का प्रभाव उत्पन्न करते हैं। मंदिर का नाम इसके मूर्तिकार रामप्पा के नाम पर रखा गया है, और शायद यह भारत का एकमात्र मंदिर है जिसका नाम उस शिल्पकार के नाम पर रखा गया है जिसने इसे बनाया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में गौशालाओं में गौवंश अनुदान के संबंध में विभागीय समीक्षा बैठक ली।

नगरीय विकास एवं आवास संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट में लिए गये फैसलों की जानकारी दी।

बेगम बाग, अंडा गली, तोपखाना के नाम बदलने की मांग

उज्जैन में सांसद, पुजारी और महामंडलेश्वर ने कहा- आक्रमणकारियों के दिए नाम बदले जाएं

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में सीएम मोहन यादव द्वारा तीन गांवों के नाम बदलने के बाद अब महाकाल मंदिर क्षेत्र के नाम बदलने की मांग जोर पकड़ने लगी है। उज्जैन के सांसद, महाकाल मंदिर के पुजारी-पुरोहित और महामंडलेश्वर ने मांग की है कि मंदिर से लगे क्षेत्रों, जैसे बेगम बाग, अंडा गली और तोपखाना के नाम बदले जाएं। इसके साथ ही सांसद अनिल फिरोजिया ने फतियाबाद गांव का नाम बदलने की भी मांग उठाई है।

उज्जैन के पंचायतों के नाम बदले दो दिन भी नहीं हुए थे कि अब उज्जैन शहर के अलग अलग इलाकों के नाम बदलने की मांग उठने लगी। भगवान महाकाल की नगरी में देश भर से श्रद्धालु मंदिर पहुंचते है। लेकिन मंदिर से लगे क्षेत्र जैसे बेगम बाग, अंडा गली और तोपखाना क्षेत्रों के नाम बदलने की मांग अब तेज हो गई है।

शहर के जनप्रतिनिधि, पुजारी और महामंडलेश्वर भी महाकाल मंदिर के आसपास के क्षेत्रों के नाम बदलने की

मांग करने लगे हैं। सभी का मानना है कि देवास गेट बस स्टैंड पर उतरकर श्रद्धालु जब महाकाल मंदिर आते हैं तो मंदिर से लगे बेगम बाग, तोपखाना जैसे क्षेत्रों से होकर गुजरना पड़ता है या फिर यहां उतरकर मंदिर में प्रवेश करना पड़ता है। ऐसे में मंदिर के आसपास के क्षेत्रों का नाम बदलना चाहिए।

सांसद फिरोजिया बोले- गजनी खेड़ी कलंकित नाम था- सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा, सीएम का आभार, जिन्होंने 3 पंचायतों के नाम बदल दिए। गजनीखेड़ी, जो एक कलंकित नाम था, अब चामुंडा माता नगरी कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा, उज्जैन शहर के लिए मैंने एक और मांग रखी है, जिसे दिशा की बैठक और सीएम से भी आग्रह किया था कि देवास गेट बस स्टैंड से महाकाल मंदिर तक जाने वाले मार्ग का नाम महाकाल लोक मार्ग होना चाहिए। वर्तमान में इस मार्ग के हिस्से बेगम बाग और अंडा गली जैसे नाम हैं, जो कई बार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भ्रमित करते हैं। क्या तोपखाना, अंडा गली ये भी कोई नाम है। दुष्ट आक्रमणकारियों ने हमारा नुकसान किया था। सांसद ने कहा कि मेरी एक और मांग है कि उज्जैन के पास स्थित बड़े कस्बे फतियाबाद का नाम भी बदलकर देवी माता के नाम पर रखा जाना चाहिए।

बेगम बाग का नाम बदलकर महाकाल वन करें

महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने कहा कि - महाकाल मंदिर के आसपास के क्षेत्र को महाकाल वन या महाकाल क्षेत्र का नाम देना चाहिए। अब कोई बेगम का राज नहीं है। यहां बेगम बाग का क्या मतलब?

यहां पर अब कोई बेगम का वजूद नहीं

महाकाल मंदिर परिसर के गणेश मंदिर के पुजारी चम्मू गुरु ने कहा कि, सीएम का आभार, जिन्होंने सालों से चली आ रही मांग को पूरा किया। अवंतिका की नगरी में महाकाल के दर्शन करने आने वाले भक्तों को बेगम बाग होते हुए आते हैं जो की महाकाल मंदिर से ठीक लगा हुआ है। यहां पर तो बेगम का वजूद नहीं है।

महामंडलेश्वर शैलशानंद जी ने कहा कि महाकाल मंदिर के पास बेगमबाग़ और अंडा गली जैसे नाम से प्रभाव अच्छा नहीं पड़ता है, तत्काल इनका नाम बदलकर वैदिक नाम या किसी वैज्ञानिक के नाम पर रख देना चाहिए। महामंडलेश्वर शैलशानंद जी ने कहा कि महाकाल मंदिर के पास बेगम बाग़ और अंडा गली जैसे नाम से प्रभाव अच्छा नहीं पड़ता है।

पांच साल पहले भी उठी थी मांग

सन 2020 में उज्जैन के बेगम बाग इलाके में हिन्दू संगठन की रैली पर पथराव की घटना के बाद हिंदूवादी संगठनों ने बेगम बाग का नाम बदलकर भीमराव अंबेडकर नगर रखने की मांग की थी। कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में एकत्रित होकर ज्ञापन देने के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय भी पहुंचे थे।

सर्दी का दूसरा दौर, 2-3 डिग्री गिरेगा तापमान

ग्वालियर-चंबल और रीवा में दो दिन घना कोहरा; 12 जनवरी से हल्की बारिश, राजधानी को तेज ठंड ने ठिठराया

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर फिर शुरू होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आज यानी 7 जनवरी से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी गई। शीतलहर भी चल सकती है। 2 दिन तक ग्वालियर, चंबल और रीवा संभाग में घना कोहरा रहेगा। 12 जनवरी से कुछ जिलों में हल्की बारिश होने का भी अनुमान है।

मंगलवार को सुबह से तेज ठंडी हवाएँ चल रही थी। सर्द हवाओं से तेज ठंड थी। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी होने से सर्द हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही हैं। 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 204 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम चलती रहीं।

आने वाले दिनों में बर्फ पिघलेगी, जिससे हवा की रफ्तार तेज होगी और प्रदेश में ठंड का असर बढ़ जाएगा। जनवरी में प्रदेश का मौसम ठंडा ही रहेगा। 20 से 22 दिन तक शीतलहर चलने का अनुमान है।

इस सप्ताह ऐसा रहेगा मौसम- उत्तरी हवा का असर तेज होने से दिन-रात के तापमान में गिरावट आएगी। उत्तर-पश्चिम भारत में 10 जनवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होगा। इसके असर से 12 जनवरी से बूंदाबांदी हो सकती है।

अगले दिन ऐसा रहेगा मौसम

8 जनवरी: ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी और सिंगरौली में मध्यम से घना कोहरा रहेगा।

9 जनवरी: प्रदेश में कोहरा छाने का अनुमान नहीं है। ठंड का असर बढ़ा रहेगा।

प्रदेश में सबसे ठंडा छतरपुर का नौगांव

मध्यप्रदेश में सबसे ठंडा छतरपुर जिले का नौगांव है। रविवार-सोमवार की रात नौगांव में पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंडला में 8.8 डिग्री, टीकमगढ़ में 9 डिग्री, गुना, मलाजखंड, शिवपुरी में 9.3 डिग्री, राजगढ़ में 9.4 डिग्री तापमान रहा।

पचमढ़ी, खजुराहो, रायसेन, दमोह, सागर, रीवा, सतना और उमरिया में पारा 12 डिग्री से नीचे रहा। बड़े शहरों में ग्वालियर में सबसे कम 9.7 डिग्री, जबलपुर-उज्जैन में 12 डिग्री, भोपाल में 10 डिग्री और इंदौर में पारा 13.1 डिग्री टेम्परेचर दर्ज किया गया।

नवंबर-दिसंबर में रिकॉर्ड तोड़ चुकी ठंड

मध्यप्रदेश में नवंबर-दिसंबर में ठंड रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। नवंबर की बात करें तो भोपाल में तो 36 साल का रिकॉर्ड टूटा है। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में भी पारा सामान्य से 7 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहा। स्थिति यह रही कि पूरे प्रदेश में जनवरी से भी ठंडा दिसंबर रहा। भोपाल समेत कई शहरों में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 9 दिन शीतलहर चली।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत कई जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है। भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में जानवरों को सर्दी से बचाने के लिए हीटर लगाए गए हैं।

प्रदेश में अवैध हथियारों पर कंट्रोल के लिए बनाई कमेटी

गोला-बारूद बनाकर बेचने और ट्रांसपोर्ट रोकने सरकार ने मांगी ढाई माह में रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। हरदा में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के 11 माह बाद राज्य सरकार ने अवैध हथियारों और गोला बारूद पर कंट्रोल के लिए प्लानिंग शुरू की है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस तरह के कारोबार के जरिए अशांति के हालात बनाने के मद्देनजर राज्य शासन से इस मामले में रिपोर्ट मांगी गई है।

एमपी में पिछले साल हरदा में अवैध पटाखा फैक्ट्री विवाद की वजह बनी थी। इसी के चलते प्रदेश में अवैध हथियार और गोला बारूद तैयार कर बेचने और उसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने जैसे गंभीर मामलों में कंट्रोल के लिए राज्य सरकार ने एक कमेटी बनाई है। यह कमेटी ढाई माह में राज्य सरकार को रिपोर्ट देगी। इसके बाद सरकार इस तरह के मामलों में रोक को लेकर निर्देश जारी करेगी।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस कमेटी के गठन को लेकर आदेश जारी किए जा चुके हैं। इसमें कहा गया है कि अवैध हथियारों और गोला-बारूद के निर्माण, विक्रय, परिवहन एवं उसके उपयोग को नियंत्रित करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।

आदेश में कहा गया है कि इस पांच सदस्यीय कमेटी के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। समिति में अपर मुख्य सचिव गृह को सदस्य सचिव बनाया गया है। साथ ही समिति के सदस्यों के रूप में

पुलिस महानिदेशक या पुलिस महानिरीक्षक, सचिव विधि एवं विधायी कार्य विभाग और विनय मिश्रा बैलेस्टिक विशेषज्ञ (वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी) नियुक्त किए गए हैं। समिति 10 सप्ताह में कार्ययोजना तैयार कर प्रभारी अधिकारी के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष पेश करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने नवम्बर 2024 में इसके आदेश जारी किए हैं और एमपी समेत अन्य राज्यों से दस हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है।

यह काम करेगी कमेटी

अवैध हथियारों, गोला बारूद के बनाने, बेचने और परिवहन करने को लेकर कार्ययोजना बनाना। जिम्मेदार अधिकारियों के माध्यम से हथियारों और गोला-बारूद से निपटने वाले मौजूदा लाइसेंस प्राप्त और साथ ही गैर-लाइसेंस प्राप्त कारखानों, कार्यशालाओं का निरीक्षण कराना। अवैध हथियारों और गोला-बारूद के निर्माण, बिक्री, परिवहन के संबंध में डेटा सुरक्षित करना।

एनटीए की स्टेट कमेटी में शामिल होंगे पुलिस और आईबी अफसर

दूसरी ओर एक अन्य कमेटी का गठन भी सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा देश के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए होने वाली परीक्षा को लेकर किया गया है। उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षा कराने वाली भारत सरकार की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की एमपी में राज्य स्तरीय समन्वय समिति बनाई गई है। इस समन्वय समिति में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग, एडीजी कानून और व्यवस्था, डीजी एनटीए द्वारा मनोनीत किए गए नोडल अफसर शामिल होंगे। इसके अलावा एनआईसी के स्टेट इन्फार्मेटिक्स आफिसर और इंटेलिजेंस ब्यूरो एमपी के ज्वाइंट डायरेक्टर इस कमेटी के सदस्य होंगे।

कमलनाथ नाराज, बोले- मुझसे कुछ पूछा नहीं जाता

मीटिंग की सूचना नहीं देते, दिग्विजय ने कहा- मैं कमलनाथ की बात से सहमत

भोपाल (नप्र)। पूर्व सीएम कमलनाथ ने प्रदेश कांग्रेस संगठन से अपनी नाराजगी जताई है। उन्होंने भरी मीटिंग में कहा कि मुझसे कुछ पूछा नहीं जाता। मीटिंग की सूचना भी नहीं दी जाती। कमलनाथ की इस बात का पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने भी समर्थन किया।

दरअसल, कांग्रेस 26 जनवरी को महू में जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली का आयोजन करने जा रही है। इसी की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम को मध्यप्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की वर्चुअल मीटिंग हुई। जिसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह समेत कमेटी के तमाम सदस्य जुड़े थे।

कमलनाथ बोले- बिना पूछे नियुक्तियां हो रहीं- वर्चुअल मीटिंग में पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा- आजकल ऐसा चल रहा है कि नियुक्तियों में मुझसे पूछा तक नहीं जाता। भले किसी के कहने से किसी की नियुक्ति हो न हो, लेकिन सीनियर्स से चर्चा करनी चाहिए। बैठकों की मुझे कोई सूचना नहीं दी जाती। अखबारों से पता चलता है कि कांग्रेस की बैठक थी।

मैं कमलनाथ की बात से सहमत- दिग्विजय सिंह- कमलनाथ की बात पर दिग्विजय सिंह ने भी कहा कि मैं भी कमलनाथ जी की बात से सहमत हूं। बिना एजेंडे के बैठकें बुला ली जाती हैं। वॉट्सऐप पर भेजे एजेंडा पर उन्होंने कहा कि अध्यक्ष जी 6 बजकर 31 मिनट पर एजेंडा मिला है। अब मैं मोबाइल से मीटिंग में जुड़ा हूं तो एजेंडा कैसे देखूं। मीनाक्षी नटराजन ने भी कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की बात का समर्थन किया।

पटवारी बोले-सबकी राय से फैसले लिए जा रहे- सीनियर नेताओं की बात पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सबकी राय से ही फैसले लिए जा रहे हैं। कमलनाथ जी से मैं खुद अलग से बात कर लूंगा। प्रवक्ताओं की नियुक्तियों का गलत पत्र जारी हो गया था, उसे तुरंत निरस्त भी कर दिया था। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सोमवार को इंदौर के सांवेर में जय बापू, जय भीम जय संविधान यात्रा के कार्यक्रम में शामिल हुए।

नेताओं ने कहा- रैली 26 जनवरी से आगे बढ़ाई जाए - बैठक में कमलनाथ समेत कुछ अन्य नेताओं ने कहा कि 26 जनवरी को सब जगह आयोजन होते हैं। ऐसे में सभी लोग अपने-अपने क्षेत्रों के कार्यक्रमों में भी व्यस्त रहते हैं। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी 26 जनवरी को आने में दिक्कत होगी। हालांकि, बैठक में ये कहा गया कि तारीख एआईसीसी से तय की गई है। ऐसे में बदलाव को लेकर निर्णय राष्ट्रीय स्तर से ही हो सकता है।

मालवा-निमाड़ से पब्लिक बुलाने की व्यवस्था हो- सिंघार- बैठक में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- इस साल का यह पहला सबसे बड़ा आयोजन है। जिसमें हमारे सभी राष्ट्रीय नेताओं के साथ कांग्रेस के देशभर के नेता बाबा साहेब की जन्मस्थली पर महू आएंगे।

मालवा-निमाड़ से पब्लिक को बुलाने के लिए व्यवस्था करना चाहिए। इसके लिए जिले से लेकर गांव-गांव तक प्लानिंग होना चाहिए। बैठक में नेता प्रतिपक्ष करीब 20 मिनट तक ही जुड़े रहे। दिग्विजय, कमलनाथ के वक्तव्यों के बाद वे भी मीटिंग से लेफ्ट हो गए।

इटारसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र में फिर एक तेंदुए की मौत

मृत मिला तेंदुआ, 4 दिन पहले भी करंट से गई थी मादा तेंदुए की जान

नर्मदापुरम (नप्र)। इटारसी स्थित आयुध निर्माणी (ऑर्डिनेंस फैक्ट्री) क्षेत्र में फिर एक तेंदुए की मौत हो गई। सोमवार को सर्चिंग के दौरान तेंदुआ मृत अवस्था में मिला। दोपहर 12 बजे तेंदुए के मौत की सूचना वन विभाग को मिली। जिससे हड़कंप मच गया।

तेंदुआ के मौत की 4 दिन में दूसरी घटना है। चार दिन पहले भी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के पावर हाउस के पास बिजली के करंट लगने से मौत हो गई थी। घटना शाम करीब 5 बजे की है। रात में शव बागदेव चौकी पर लाकर उसका अगले दिन अंतिम संस्कार हुआ था। तेंदुआ के करंट की चपेट में आने से मौत की पुष्टि भी हुई थी। मौत का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था, कि सोमवार को फिर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र में ही एक ओर तेंदुए के मृत मिलने की जानकारी आई।

सूचना मिलने पर रेंजर महेंद्र गौर, डीएफओ मयंक सिंह गुर्जर घटना स्थल पर पहुंचे। सीसीएफ अशोक कुमार चौहान भी कुछ देर से घटना स्थल पहुंचेंगे। तेंदुए की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक करीब 2, 3 दिन पुराना तेंदुए का शव है। फिलहाल में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

सर्चिंग के दौरान मिला मृत तेंदुआ- सीसीएफ ह्य अशोक कुमार चौहान ने बताया चार दिन पहले मादा तेंदुए की करंट से मौत हुई। जिसके बाद हमने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के पावरहाउस वाले उक्त क्षेत्र में सर्चिंग के निर्देश दिए थे, ताकि कही मादा तेंदुआ के बच्चे आसपास ओर न हो। इसलिए सर्चिंग कराई जा रही थी, इस बीच सोमवार को तेंदुआ मिला। तेंदुआ की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल जांच करवा रहे है।

डॉग स्क्वॉड भी घटना स्थल के लिए रवाना हुआ- तेंदुआ के मौत की जानकारी मिलते ही अफसरों के अलावा डॉग स्क्वॉड भी घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।